मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 174
मंगलवार, 06 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

राजनाथ सिंह की दुश्मनों को ललकार, तटरक्षक बल से टकराने की हिम्मत मत करना

नई दिल्ली, 05 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने देश की तटरेखा को शत्रुओं के लिए अछूत बना दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तटरक्षक बल ने शत्रुओं के मन में ऐसा भय पैदा कर दिया है कि यदि कोई सीमा की ओर देखने की भी हिम्मत करेगा, तो तटरक्षक बल उसे नहीं छोड़ेगा। आईसीजी के पहले प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि हमारे तटरक्षक बल ने हमारे शत्रुओं के मन में ऐसा भय पैदा कर दिया है कि यदि कोई हमारी सीमा की ओर देखने की भी हिम्मत करेगा, तो तटरक्षक बल उसे ऐसा करने की स्थिति में नहीं छोड़ेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 'समुद्र प्रताप' का शुभारंभ देश की व्यापक समुद्री दृष्टि से जुड़ा है, जो यह मानती है कि समुद्री संसाधन किसी एक राष्ट्र की संपत्ति नहीं बल्कि मानवता की साझा विरासत हैं। उन्होंने कहा कि जब विरासत साझा होती है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी साझा होती है। यही कारण है कि भारत आज शांति, स्थिरता और पर्यावरण संबंधी जिम्मेदारी के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होकर वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़ा है।

भारत को एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ₹ऐसे समय में जब दुनिया वैश्विक समुद्री अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, भारत ने बार-बार यह साबित किया है कि वह न केवल अपने हितों की रक्षा करता है, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता भी सुनिश्चित करता है। साथ मिलकर आगे बढ़ने का यही समावेशी दृष्टिकोण भारत को एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बनाता है। रक्षा मंत्री ने कहा, हमें समुद्री शासन के क्षेत्र में मानदंड निर्धारित करने होंगे, क्षमता निर्माण पहलों को मजबूत करना होगा और सहयोगात्मक ढांचों को आगे बढ़ाना होगा। भारतीय तटरक्षक बल को अपने परिचालन सिद्धांतों, संस्थागत प्रथाओं और तकनीकी नवाचारों को ऐसे उच्च मानकों तक पहुंचाना होगा कि उनकी सर्वोत्तम प्रथाओं का विश्व स्तर पर अनुसरण किया जाए।

उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय तटरक्षक बल ने खुद को क्षेत्रीय मानक स्थापित करने वाले के रूप में स्थापित किया है। अब समय आ गया है कि इस भूमिका को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाया जाए और वैश्विक नेतृत्व की ओर निर्णायक रूप से कदम बढ़ाया जाए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किए जा रहे दो प्रदूषण नियंत्रण पोतों (पीसीवी) की श्रृंखला में पहले पोत, भारतीय तटरक्षक पोत (आईसीजीएस) 'समुद्र प्रताप' को कमीशन किया। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी उपस्थित थे।

एसआईआर के दौरान अमानवीय आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करूंगी: ममता बनर्जी

कोलकता, 05 जनवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किए गए अमानवीय आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करेंगी। दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी के कारण कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

उन्होंने कहा, हम एसआईआर के कारण हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में कल याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा, यदि अनुमति मिली तो मैं भी उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर एक आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं एक प्रशिक्षित वकील भी हूं।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि बिना वैध कारणों के मतदाता सूची से नामों को मनमाने ढंग से हटाया जा रहा है, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया डर पैदा करने वाली प्रक्रिया बन गई है। उन्होंने दावा किया कि गंभीर रोग से ग्रसित लोगों और बुजुर्ग नागरिकों को यह साबित करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर किया जा रहा कि वे वैध मतदाता हैं।

मुख्यमंत्री ने सवाल किया, अगर कोई भाजपा नेताओं के बूढ़े माता-पिता को पहचान साबित करने के लिए लाइन में खड़ा कर दे, तो उन्हें कैसा लगेगा? जब से एसआईआर शुरू हुआ है, डर से कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं।

राजस्थान की भाजपा सरकार ने जनहितैषी योजनाओं को कमजोर किया: गहलोत

जयपुर, 05 जनवरी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बच्ची के इलाज में कथित देरी को लेकर सोमवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और उस पर जनहितैषी योजनाओं का कमजोर करने का आरोप लगाया।

गहलोत ने इस घटना से जुड़ी खबर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, मंचों से राष्ट्रीय एकता और एक भारत-श्रेष्ठ भारत की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा सरकार का असली चेहरा जयपुर के एसएमएस अस्पताल की घटना ने उजागर कर दिया है।

उन्होंने लिखा, जयपुर में करंट से झुलसी मध्यप्रदेश की एक बालिका को एसएमएस अस्पताल में केवल इसलिए घंटों इलाज नहीं मिला

क्योंकि उसके पास आयुष्मान कार्ड नहीं था। यह अमानवीयता की पराकाष्ठा है। क्या इलाज की आवश्यकता में भी राज्य देखा जाएगा?

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी कांग्रेस सरकार ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षा योजना इसलिए लागू की थी ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना में घायल व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी राज्य का निवासी हो, बिना किसी कार्ड या पैसे के 72 घंटे तक पूर्णतः निःशुल्क आपातकालीन इलाज मिल सके। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार का स्पष्ट मत था कि गोल्डन ऑवर में डॉक्टर की प्राथमिकता मरीज की जान बचाना होनी चाहिए, न कि कागज जांचना। उन्होंने कहा कि बेहद दुखद है कि मौजूदा भाजपा सरकार ने इन जनहितैषी योजनाओं को कमजोर कर राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को पुनः कार्ड और शर्तों का मोहताज बना दिया है। कांग्रेस नेता के अनुसार राज्य सरकार इस मामले को नजीर बनाकर तुरंत संज्ञान ले और सुनिश्चित करे कि आपात स्थिति में किसी का भी इलाज कागजों की कमी से न रुके एवं मरीज की जान बचाना पहला लक्ष्य हो।

आटो रोकने के विवाद में गर्भवती की मौत, कोख में पल रहा शिशु भी नहीं बचा

- लाठी-डंडों से हमले में पति गंभीर घायल, सात नामजद; शव रखकर चक्काजाम

सुरेश गांधी

वाराणसी। लालपुर थाना क्षेत्र के हुकुलगंज रोड पर मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। प्रसव पीड़ा से जूझ रही 27 वर्षीय गर्भवती सोनाली पटेल पत्नी दशमी पटेल की दबंगों की पिटाई के बाद मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना में सोनाली के गर्भ में पल रहा बच्चा भी नहीं बच सका। वारदात से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। पुलिस के आश्वासन के बाद जाम समाप्त हुआ।

आटो गली में घुसने पर शुरू हुआ विवादः पुलिस के अनुसार, रविवार रात सोनाली को प्रसव पीड़ा

होने पर परिजन उसे अस्पताल ले जाने के लिए आटो रिक्शा बुक कर रहे थे। आटो चालक जैसे ही पेट्रोल पंप के सामने वाली गली में पहुंचा, वहां पहले से खड़ी सकड़ी-ठेलियों के कारण रास्ता अवरुद्ध था। ठेलिया हटाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान मौके पर मौजूद कुछ मनबढ़ युवकों ने आटो को आगे बढ़ने से रोक दिया।

पति पर हमला, पत्नी भी नहीं बख्शी गईः विवाद की जानकारी मिलते ही दशमी पटेल मौके पर पहुंचे। आरोप है कि बात बढ़ते ही दबंगों ने रॉड और डंडों से दशमी पर हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। घायल दशमी का कहना है कि बीच-बचाव करने आई उसकी पत्नी सोनाली को भी लाठी-डंडों से पीटा गया, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ी। **इलाज के दौरान महिला की मौतः** पड़ोस के लोगों ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान सोमवार सुबह सोनाली की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अत्यधिक चोटों के कारण गर्भस्थ शिशु को भी नहीं बचाया जा सका।

घटना की खबर फैलते ही इलाके में आक्रोश फैल गया। **शव रखकर चक्काजाम, पुलिस पर लापरवाही का आरोपः** महिला की मौत से आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोग शव सड़क पर रखकर चक्काजाम करने लगे। दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई। जाम के चलते आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। सूचना पर लालपुर-पांडेयपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस की लापरवाही के चलते आरोपी अब तक खुलेआम घूम रहे हैं।

सात नामजद पर हत्या का मुकदमाः पुलिस का कहना है कि घटना की सूचना रात में ही मिल गई थी और मारपीट की रिपोर्ट उसी समय दर्ज कर ली गई थी। महिला की मौत के बाद मुकदमे को हत्या की धारा में तरमीम किया गया है। इस मामले में रोहित सोनकर पुत्र राजा सोनकर, रौनक सोनकर पुत्र केशव सोनकर, नत्थू सोनकर समेत सात लोगों को नामजद किया गया है, जबकि कुछ अन्य अज्ञात आरोपी भी शामिल हैं।

पुलिस का दावा, जल्द होगी गिरफ्तारीः पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। आरोपियों की तलाश के लिए टीमें लगाई गई हैं और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिएः रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 05 जनवरी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में कार्यकर्ताओं-- उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का सोमवार को स्वागत करते हुए कहा कि शहर को दंगों की आग में धकेलने के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले के आरोपियों-- उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया लेकिन भागीदारी के स्तर का हवाला देते हुए पांच अन्य को जमानत दे दी।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि खालिद और इमाम के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है।

गुप्ता ने यहां हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। अदालत ने दिल्ली दंगों के मामले में आरोपियों-- शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दंगों में शामिल लोगों का समर्थन करने वाली राजनीतिक पार्टियों के लिए कड़ा संदेश जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अपराध में भागीदार थीं। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के फैसले ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि दंगे एक सुनियोजित साजिश का नतीजा थे।

उन्होंने कहा, दिल्ली की जनता के खिलाफ जानबूझकर साजिश रची गई थी। आज के फैसले ने एक बार फिर इसे साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से स्पष्ट संदेश मिलता है कि ऐसी साजिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा कि अदालत का यह आदेश देश के खिलाफ काम करने वालों के लिए एक मिसाल बनेगा। सूद ने कहा,सरकार का विरोध करना गलत नहीं है, लेकिन देश का विरोध करना अलग बात है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग देश के खिलाफ काम करने के आरोपियों के प्रति सहानुभूति दिखाते हैं। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दंगाइयों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कड़ा संदेश देने के लिए उच्चतम न्यायालय का आभार व्यक्त किया। फरवरी 2020 में उत्तरपूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

किशोरी का पोस्टमार्टम कराने आए दारोगा की दिल का दौरा पड़ने से मौत

बदायूं। बदायूं के उझानी क्षेत्र में एक दारोगा की सोमवार को पोस्टमार्टम हाउस परिसर में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक देवेन्द्र सिंह ने यहां बताया कि दारोगा कुंवरपाल (55) एक किशोरी के शव का पोस्टमार्टम कराने सिविल लाइंस स्थित पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे थे और इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गयी एवं सीने में तेज दर्द हुआ। सिंह के अनुसार हालत बिगड़ने पर कुंवरपाल को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि कुंवरपाल मूल रूप से बुलंदशहर जनपद के नरौरा के रहने वाले थे और संभल जनपद के चंदौसी में रह रहे थे।

वेनेजुएला संकटः अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

-ललित गर्ग

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खडे.हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और

संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेजुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेजुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है।

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां ह्ललोकतंत्र स्थापनाह्ल के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है।

इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रुवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेजुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है। भारत का यह दृष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है। युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है-यह सत्य अमेरिका बार-बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अग्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगें, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी।

वेनेजुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी ह्लनिरंकुश शासकह्ल को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता। इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है, तो उसे अपनी दोहरी नीति त्यागनी होगी। अन्यथा, वेनेजुएला जैसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाएंगी और दुनिया एक और अस्थिर, असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ती जाएगी।

त्रिवेणी की गोद में समय का महायज्ञ, होती है स्वर्ग की अनुभूति

-सुरेश गांधी

त्रिवेणी के तट पर बहती गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती केवल नदियाँ नहीं हैं, वे भारत की स्मृति हैं, उसका संस्कार हैं, उसका आत्मबोध हैं। प्रयागराज में जब कुम्भ का नाम लिया जाता है, तो यह केवल एक आयोजन नहीं रह जाता, बल्कि यह समय, समाज और सत्ता, तीनों की संयुक्त परीक्षा बन जाता है। आज जब प्रयागराज का कुम्भ क्षेत्र एक बार फिर श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, साधु-संतों और पर्यटकों से गुलजार है, तब यह प्रश्न स्वतः खड़ा होता है कि क्या कुम्भ केवल अतीत की परंपरा है, या भविष्य का मार्गदर्शक? 44 दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक माघ मेले में पहले ही दिन यानी शनिवार 03 जनवरी को 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई. पूरा संगम तट हर-हर गंगे और जय मां गंगा के उद्घोष से गूंज उठा. जहां आस्था, परंपरा और आधुनिक व्यवस्थाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला. व्हीलचेयर पर संगम स्नान करते बुजुर्ग, घाटों पर पेट्रोलिंग करती सुरक्षा गाड़ियां और चारों ओर श्रद्धालुओं का सैलाब, पहले स्नान पर्व ने माघ मेले की भव्यता का साफ संकेत दे दिया. रात के समय संगम क्षेत्र बेहद आकर्षक नजर आ रहा है नावों पर एलईडी लाइट से सजी रंगीन छतरियां, जल में सात रंगों के फव्वारे और घाटों पर कलर-कोडेड चेंजिंग रूम अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं

वर्तमान में प्रयागराज का कुम्भ क्षेत्र माघ मेले के रूप में जीवंत है। पौष पूर्णिमा से आरंभ होकर माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि तक चलने वाला यह मेला कुम्भ परंपरा की निरंतरता का जीवित प्रमाण है। कल्पवासी टेंटों में साधना कर रहे हैं, संतों के प्रवचन गूंज रहे हैं, और हर सुबह संगम तट पर आस्था की डुबकी लगाकर लोग जीवन के भार को हल्का कर रहे हैं। यह वही भूमि है जहां कुम्भ के हर संस्करण के बाद भी आस्था समाप्त नहीं होती, बल्कि नए रूप में लौट आती है। प्रशासनिक दृष्टि से भी यह माघ मेला आगामी महाकुम्भ की रिहर्सल जैसा है, जहां व्यवस्थाएं परखी जाती हैं, कमियां पहचानी जाती हैं और सुधार की दिशा तय होती है। इन दिनों संगम क्षेत्र में उमड़ती भीड़ को केवल संख्या में बांधना भूल होगी। यह भीड़ नहीं, विश्वास की नदी है। वृद्ध दंपती, युवा साधक, ग्रामीण महिलाएं, विदेश से आए शोधार्थी, हर कोई संगम में कुछ खोज रहा है। कोई मोक्ष, कोई शांति, कोई उत्तर। कल्पवास की परंपरा आज भी जीवित है। ठंड, असुविधा और न्यूनतम संसाधनों के बावजूद हजारों लोग एक माह तक संयमित जीवन जीने के लिए प्रयागराज पहुँचे हैं। यह उस भारतीय चेतना का प्रमाण है, जो सुविधा नहीं, साधना को प्राथमिकता देती है।

प्रयागराज कुम्भ क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती है, आस्था और प्रशासन के बीच संतुलन। वर्तमान माघ मेले में प्रशासन ने सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात, स्वास्थ्य और डिजिटल निगरानी पर विशेष ध्यान दिया है। सफाई व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित दिखती है। स्वास्थ्य शिविर, एम्बुलेंस और मोबाइल मेडिकल यूनिट सक्रिय हैं। सीसीटीवी निगरानी और ड्रोन कैमरों से भीड़ प्रबंधन किया जा रहा है। डिजिटल खोया-पाया केंद्र श्रद्धालुओं के लिए राहत का साधन बन रहा है। हालांकि, चुनौतियां अब भी शेष हैं। ठंड में अलाव की समुचित व्यवस्था, दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए परिवहन की सुविधा और कल्पवासियों के लिए स्थायी शौचालय, ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर निरंतर निगरानी आवश्यक है। वैसे भी कुम्भ बिना संतों के अधूरा है। अखाड़ों की परंपरा, शाही स्नान की गरिमा और धर्मसभा की गंभीरता, ये सब मिलकर कुम्भ को केवल मेला नहीं, महायज्ञ बनाते हैं। इस समय प्रयागराज में विभिन्न अखाड़ों के संत सामाजिक विषयों पर भी मुखर हैं, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, सनातन संस्कृति की रक्षा जैसे मुद्दे उनके प्रवचनों में प्रमुख हैं। यह परिवर्तन संकेत देता है कि संत समाज अब केवल आध्यात्मिक नहीं, सामाजिक भूमिका भी निभा रहा है।

कुम्भ और माघ मेला प्रयागराज की अर्थव्यवस्था की धुरी बन चुके हैं। होटल, धर्मशाला, नाविक, फूल विक्रेता, प्रसाद विक्रेता, हस्तशिल्प कारीगर, हर वर्ग को इससे आजीविका मिलती है। वर्तमान मेले में स्थानीय उत्पादों की मांग बढ़ी है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि कुम्भ क्षेत्र अस्थायी शहर नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता आर्थिक मॉडल है। आस्था के इस महासागर के बीच पर्यावरण सबसे संवेदनशील मुद्दा है। गंगा की स्वच्छता, प्लास्टिक निषेध, जैविक कचरे का निस्तारण, इन पर प्रशासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। हालाँकि प्रयास दिख रहे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की सहभागिता के बिना यह लक्ष्य अधूरा रहेगा। कुम्भ तभी सार्थक होगा, जब आस्था गंगा को पूजने के साथ-साथ उसे बचाने का संकल्प भी ले। प्रयागराज का वर्तमान कुम्भ क्षेत्र आने वाले महाकुम्भ की भूमिका है। यह समय है सीखने का, सुधारने का और उस भारत को गढ़ने का, जहाँ परंपरा और तकनीक साथ-साथ चलें। कुम्भ केवल स्नान का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिंब है। मतलब साफ है जब संगम पर सूर्य अस्त होता है और आरती की लौ जलती है, तब लगता है कि भारत स्वयं अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य से संवाद कर रहा है। प्रयागराज का कुम्भ हमें यह सिखाता है कि भीड़ में भी व्यवस्था संभव है, विविधता में भी एकता संभव है, और आस्था में भी आधुनिकता संभव है। कुम्भ कोई आयोजन नहीं, वह भारत की आत्मा का उत्सव है।

प्रयागराज कुम्भ क्षेत्र में आस्था का सैलाब

त्रिवेणी संगम पर आस्था एक बार फिर अपने विराट रूप में दिखाई दे रही है। माघ मेले के अंतर्गत कुम्भ क्षेत्र में देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का आगमन जारी है। पौष पूर्णिमा के बाद स्नानार्थियों की संख्या में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। संगम तट पर सुबह से लेकर देर रात तक श्रद्धालुओं की कतारें आस्था की गवाही दे रही हैं। संगम और किला घाट पर स्नानार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है. मेला क्षेत्र में सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है. ठंड को देखते हुए रैन बसेरों और अलाव की व्यवस्था बढ़ाई गई है. खास यह है

कि सुबह चार बजे से ही संगम क्षेत्र में चहल-पहल शुरू हो जाती है। कल्पवासी अपने तंबुओं से निकलकर गंगा स्नान को जाते हैं। साधु-संतों की टोलियाँ मंत्रोच्चार के साथ आगे बढ़ती हैं। ठिठुरती ठंड के बीच भी श्रद्धालुओं के चेहरों पर अद्भुत संतोष है। संगम पर नाविकों की आवाज, आरती की घंटियाँ और हर-हर गंगे का उद्घोष वातावरण को आध्यात्मिक बना देता है। दूर-दराज के गांवों से आए लोग बताते हैं कि कठिनाइयों के बावजूद यहां आकर उन्हें मानसिक शांति मिलती है।

प्रशासनिक व्यवस्था एक नजर में

247 मेडिकल कैंप और एम्बुलेंस सेवा

ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी

अस्थायी शौचालयों की संख्या बढ़ाई गई

अलाव और गर्म भोजन की व्यवस्था

योगी सरकार और प्रयागराज कुम्भ

प्रयागराज का कुम्भ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सुशासन की परीक्षा भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने कुम्भ और माघ मेले को अव्यवस्था से निकालकर ह्लसिस्टम आधारित आयोजनह्ल का स्वरूप दिया है। योगी सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट है, श्रद्धालु सुरक्षित रहें, आस्था बाधित न हो और व्यवस्था आधुनिक हो। पहले कुम्भ का मतलब था - भीड़, अव्यवस्था और आपात प्रबंधन। अब कुम्भ का अर्थ है, पूर्व नियोजन, तकनीक और जवाबदेही। मेला क्षेत्र को सेक्टरों में बाँटना, अफसरों की 24 घंटे ड्यूटी और डिजिटल मॉनिटरिंग इसका प्रमाण है। चौड़ी सड़कें और बेहतर यातायात व्यवस्था, अस्थायी नहीं, टिकाऊ संरचनाएँ, स्वच्छता कर्मियों की तीन शिफ्टों में तैनाती. योगी सरकार मानती है कि श्रद्धालु अतिथि हैं और अतिथि देवो भवः केवल नारा नहीं, नीति है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का मंच

सरकार के लिए कुम्भ केवल आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक प्रदर्शन है। विदेशी श्रद्धालुओं और शोधार्थियों की बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि प्रयागराज अब विश्व आध्यात्मिक मानचित्र पर मजबूती से स्थापित हो चुका है। प्रयागराज का कुम्भ हर बार यह सवाल छोड़ जाता है, क्या हम आस्था को संभाल रहे हैं या आस्था हमें संभाल रही है? करोड़ों लोगों का एक स्थान पर एकत्र होना केवल धार्मिक घटना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी परीक्षा है। कुम्भ दरअसल भारत की ह्लमैनेजमेंट क्षमताह्ल का आईना है। यहां कोई टिकट नहीं, कोई निमंत्रण नहीं, फिर भी अनुशासन अपेक्षित है। यह विरोधाभास ही कुम्भ को अद्वितीय बनाता है। इसके बावजूद राजनीतिक दल कुम्भ को अक्सर आस्था की राजनीति के चश्मे से देखते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि कुम्भ सरकारों को गढ़ता भी है और बिगाड़ता भी। एक चूक वर्षों की छवि को ध्वस्त कर सकती है। ऐसे में बड़ा साल तो यही है, क्या केवल सरकार जिम्मेदार है? जवाब है नहीं। कुम्भ की सफलता समाज के आचरण से तय होती है। स्वच्छता, संयम और सहयोग, इन तीनों के बिना कोई भी महायोजन सफल नहीं हो सकता। यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ना है, तो कुम्भ जैसे आयोजनों से सीखना होगा कि विविधता में व्यवस्था कैसे लाई जाए। कुम्भ केवल गंगा में डुबकी नहीं, यह आत्ममंथन है, व्यक्ति का भी, समाज का भी और सत्ता का भी।

हर सेक्टर में बने पीले और केसरिया स्वागत द्वार

माघ मेले में पहली बार श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए हर सेक्टर में एक-एक स्वागत द्वार बनाए गए हैं. अभी तक स्वागत द्वार सिर्फ कुंभ या महाकुंभ मेले में बनाए जाते थे. स्वागत द्वार पर माघ मेला 2025 हिंदी और अंग्रेजी में लिखा है. पीले और केसरिया रंग से बनाए गए इस स्वागत गेट पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगी हुई है. इसके साथ ही उत्तर प्रदेश पर्यटन का लोगो भी स्वागत द्वार पर बनाया गया है. यहां पहुंच रहे श्रद्धालु स्वागत द्वार के साथ फोटो और सेल्फी खींच रहे हैं. माघ मेले में आ रहे लोगों का कहना है कि योगी सरकार ने इस माघ मेले को महाकुंभ की तर्ज पर ही सजा दिया है. हर कोई माघ मेले की तैयारियों की तारीफ कर रहा है. लोगों का कहना है कि माघ मेले में ऐसी व्यवस्था योगी सरकार के पहले कभी नहीं होती थी. लोगों का कहना है कि अभी तो शुरूआत हुई है, आगे और भी अच्छी व्यवस्थाएं देखने को मिलेंगी. माघ मेले में आ रहे लोगों ने मेले की दिव्यता और भव्यता को लेकर केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार का आभार भी जताया है.

ह्लमेला रेल सेवाह्ल

माघ मेला आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने एक अहम डिजिटल पहल की है. रेलवे ने ह्लमेला रेल सेवाह्ल नाम से एक नया डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया है, जो मेला अवधि के दौरान यात्रियों के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन के तौर पर काम करेगा. इस पोर्टल के जरिए श्रद्धालुओं को ट्रेन से जुड़ी पूरी जानकारी, स्टेशन से संबंधित गाइड, यात्री सुविधाएं, मेडिकल सहायता और आपातकालीन सेवाओं की जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी. खासतौर पर संगम स्नान के लिए प्रयागराज पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं को इससे बड़ी राहत मिलेगी.

हेलीकॉप्टर और पैरा ग्लाइडिंग

माघ मेले में इस बार हेलीकॉप्टर सेवा और पैरा ग्लाइडिंग की शुरूआत हुई है. मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि माघ मेले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लोकप्रिय कलाकारों को भी आमंत्रित किया जाएगा.

मेले में छाईं दो नई ह्लमोनालिसाह्ल

इस बार माघ मेले में सबसे ज्यादा चर्चा में रहीं दो नई ह्लमोनालिसाह्ल की. अफसाना जो केवल माला बेचती हैं और महाकुंभ में चर्चित मोनालिसा की रिश्तेदार बताई जा रही हैं. वहीं, बासमती, जो माला के साथ-साथ दातून भी बेच रही हैं. सादगी और मुस्कान के साथ इन दोनों ने श्रद्धालुओं और कैमरों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया.

प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

मेले में 17 अस्थायी थाने और 42 पुलिस चैकियां बनाई गई हैं. 10 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं. एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) की दो टीमें मोर्चा संभाल रही हैं. प्रमुख स्नान पर्वों पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस स्नाइपर संवेदनशील स्थानों पर तैनात किए गए हैं. इसके अलावा ड्रोन, सीसीटीवी, वॉच टावर से 247 निगरानी, पुलिस, पीएसी, पैरामिलिट्री, आरएएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जल पुलिस और गोताखोरों की तैनाती की गई है.

सुविधाएं ही सुविधाएं

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 3800 रोडवेज बसें, 75 ई-बसें और 500 से अधिक ई-रिक्शा लगाए गए हैं. शहर और मेला क्षेत्र में रंग-बिरंगे संकेतक बोर्ड और हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं. अग्नि सुरक्षा के लिए 17 फायर स्टेशन बनाए गए हैं, जबकि सफाई व्यवस्था के लिए 3300 सफाईकर्मी तैनात हैं. माघ मेले में स्वच्छता और सुरक्षा दोनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है.माघ मेला क्षेत्र को 7 सेक्टरों में बांटा गया है. करीब 800 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले मेले में 126 किलोमीटर लंबे मार्ग चेकर्ड प्लेट से तैयार किए गए हैं. रात के समय संगम क्षेत्र बेहद आकर्षक नजर आ रहा है नावों पर एलईडी लाइट से सजी रंगीन छतरियां, जल में सात रंगों के फव्वारे और घाटों पर कलर-कोडेड चेंजिंग रूम अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं. इस वर्ष माघ मेले में कुल छह महत्वपूर्ण स्नान पर्व होंगे. पहला 3 जनवरी बीत चुका है, 14 जनवरी (मकर संक्रांति), तीसरा 18 जनवरी, चैथा 23 जनवरी, पांचवां 1 फरवरी एवं छठा 15 फरवरी (महाशिवरात्रि). दावा है हर प्रमुख स्नान पर एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचेंगे. पौष पूर्णिमा से कल्पवासियों का व्रत शुरू हो चुका है. आचार्य चैक, दंडीवाड़ा, खाक चैक और प्रमुख आध्यात्मिक संस्थाओं के शिविर पूरी तरह सज चुके हैं. करीब 20 लाख कल्पवासी 3 जनवरी से 1 फरवरी तक कल्पवास करेंगे. वहीं पहले स्नान पर्व पर 31 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने गंगा में पवित्र डुबकी लगाई. 44 दिनों तक चलने वाले इस मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आने की संभावना है.

क्या मुंबई में बन सकती है बुर्कानशी मेयर

-संजय सक्सेना

मुंबई नगर निगम का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है और इससे पहले मेयर पद को लेकर राजनीति इतना गरमाई हुई है कि यह अब सिर्फ एक उम्मीदवार का चुनाव नहीं रह गया, बल्कि पहचान, भाषाई समीकरण, धर्म और सांस्कृतिक राजनीति का सबसे बड़ा मोर्चा बन चुका है। इस बार के बीएमसी चुनाव में मराठी मेयर, हिंदू मेयर, उत्तर भारतीय मेयर तथा मुस्लिम महिला मेयर जैसे मुद्दे आगे आए हैं, जिनका असर वोटरों की सोच और चुनाव के परिणाम पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। बीएमसी की 227 सीटों पर प्रत्यक्ष चुनाव होगा। उम्मीदवारों के नामांकन चरण में कुल 2,185 नामांकन दाखिल किए गए, जिनमें से 453 उम्मीदवारों ने नाम वापस ले लिया और अंततः लगभग 1,700 उम्मीदवारों ने अंतिम सूची में अपना नाम शामिल कराया। यह चुनाव महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगरपालिकाओं के चुनावों का हिस्सा है, जिनमें 2,869 सीटों के लिए कुल 15,931 उम्मीदवार मैदान में हैं। कुल मतदाता लगभग 3.48 करोड़ हैं, जिसमें पुरुष मतदाता 1,81,93,666, महिला मतदाता 1,66,79,755 और अन्य मतदाता 4,596 शामिल हैं। बीएमसी चुनाव को आज राजनीतिक दलों ने पहचान आधारित राजनीति का सबसे बड़ा मंच बना दिया है। सबसे पहले महायुति गठबंधन (भाजपा-शिंदे शिवसेना) ने अपनी रणनीति तैयार की और घोषणा की कि मुंबई का अगला मेयर मराठी और हिंदू होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बार-बार यह रेखांकित किया है कि वे मराठी पहचान की रक्षा करेंगे और महाराष्ट्र के मूल निवासियों के हित में काम करेंगे।

भाजपा के बयान के बाद शिवसेना (यूबीटी) और मनसे ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा मुंबई में गैर-मराठी और उत्तर भारतीय मतदाताओं को नजरअंदाज कर रही है। पहले भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह ने दावा किया था कि बीएमसी में इतनी संख्या में उत्तर भारतीय नगरसेवक चुने जाएंगे कि उत्तर भारतीय मेयर बनेगा, बाद में उन्होंने अपने बयान से पल्ला झाड़ा। इसके बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने दोबारा कह दिया कि मेयर मराठी होगा, जिससे विवाद और गहरा गया। इसी बीच AIMIM के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने एक सार्वजनिक सभा में यह मुद्दा उठाया कि अगर कोई मुस्लिम राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री या जज बन सकता है, तो मुंबई की मेयर मुस्लिम महिला क्यों नहीं बन सकती? उन्होंने कहा कि हमारा सपना यह है कि कलमा पढ़ने वाली मुस्लिम महिला मुंबई की मेयर बने। वारिस ने यह भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति आई लव महादेव बोल सकता है और वह मेयर बन सकता है, तो हिजाब पहनने वाली और कलमा पढ़ने वाली मुस्लिम महिला क्यों नहीं बन सकती? इस बयान के बाद राजनीतिक रंग और भी चढ़ गया क्योंकि वारिस का यह तर्क संविधान और लोकतंत्र के नजरिए से भी महत्वपूर्ण है। यह सवाल पूछ रहा है कि क्या धार्मिक पहचान और संस्कृति लोकतांत्रिक अधिकारों की बाधा बन सकते हैं? मुंबई एक बहुसांस्कृतिक शहर है। यहाँ मराठी, हिंदीभाषी, गुजराती, दक्षिण भारतीय, मुस्लिम और अन्य सामाजिक-धार्मिक समूह सहअस्तित्व में रहते हैं। इस विविधता के बीच पहचान के आधार पर राजनीति का मुद्दा जनता के बीच तीव्र बहस का विषय बन गया है।

इतिहास के पन्नों में देखें तो मुंबई नगर निगम में पहले भी मुस्लिम मेयर रहे हैं। प्रसिद्ध इतिहासकार रामचंद्र गुहा की रचनाओं के अनुसार 1934 में पहला मुस्लिम मेयर चुना गया था और उसके बाद 1963 तक कुल छह मुस्लिम मेयर रहे। प्रसिद्ध नामों में यूसुफ मेहर अली भी हैं, जिन्हें अप्रैल 1942 में बॉम्बे का मेयर चुना गया था और उन्होंने महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी का औपचारिक स्वागत भी किया था। इसके बाद 1963 के बाद से कोई मुस्लिम मेयर नहीं बना है, जिससे यह इतिहास राजनीतिक चर्चा का हिस्सा भी बन गया है।

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि बीएमसी चुनाव में सिर्फ पहचान-आधारित राजनीति नहीं, बल्कि स्थानीय मुद्दे भी निर्णायक होंगे। मुंबई में ट्रैफिक, पानी की समस्या, कचरा प्रबंधन, सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य सुविधाएँ और शिक्षा जैसे मुद्दे रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। विपक्षी दलों का दावा है कि भाजपा-शिंदे शिवसेना महायुति इन मुद्दों की बजाय पहचान और सांस्कृतिक ध्रुवीकरण पर ज्यादा जोर दे रही है ताकि वे वोट बैंक को मजबूत कर सकें। और दिलचस्प बात यह है कि चुनाव की प्रक्रिया में निर्विरोध जीत का तथ्य सामने आया है। बीएमसी समेत महाराष्ट्र के कई वार्डों में भारी संख्या में उम्मीदवारों को बिना मुकाबले जीत घोषित कर दिया गया। भाजपा के 44 उम्मीदवार निर्विरोध जीत गए और महायुति गठबंधन के कुल 68 उम्मीदवारों की जीत घोषित कर दी गई। यह स्थितियां राजनीतिक विपक्ष के लिए चिंता का विषय हैं क्योंकि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने का आरोप लग सकता है।

आंकड़े यह भी दशार्ते हैं कि बीएमसी का चुनाव केवल राजनीतिक दलों का गठबंधन नहीं है, बल्कि इसमें भाषाई समीकरण भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। मुंबई में लगभग 30% मतदाता मराठी भाषी हैं, लेकिन अन्य समुदायों उत्तर भारतीय, गुजराती, मुस्लिम, दक्षिण भारतीय की भी महत्वपूर्ण संख्या है। इस तरह का आबादी विभाजन राजनीतिक दलों को रणनीति बनाते समय यह सोचना मजबूर करता है कि किस तरह के उम्मीदवार को आगे रखा जाए ताकि वे सभी समुदायों से वोट आकर्षित कर सकें। मुंबई नगर निगम की राजनीति ने यह भी स्पष्ट किया है कि धर्म और पहचान के मुद्दे वोटरों के मन में गहराई से बसे हुए हैं। जबकि एक ओर महायुति मराठी-हिंदू पहचान को जोर दे रही है, वहीं विपक्षी दल मराठी बनाम उत्तर भारतीय के मुद्दे को उठाकर मराठी मतदाताओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। AIMIM की मुस्लिम महिला मेयर की मांग ने यह सवाल उठाया है कि क्या सार्वजनिक पद किसी एक समुदाय या पहचान तक सीमित रह सकते हैं, या उन्हें लोकतांत्रिक विविधता के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए?

विश्लेषकों का मानना है कि यह पहचान-आधारित राजनीति मतदाताओं की सोच को प्रभावित करेगी, लेकिन अंततः स्थानीय मुद्दों पर निर्णायक मत भी पड़ेगा। यदि वोटर यह महसूस करेंगे कि उनकी रोजमर्रा की समस्याएं हल नहीं हो रही हैं जैसे कि सड़कें, पानी, कचरा प्रबंधन तो वह पहचान की राजनीति से परे हटकर उन उम्मीदवारों को चुन सकते हैं जो वास्तविक समस्याओं का समाधान करने का वादा करते हैं। मतदान से पहले का मौसम दिखाता है कि राजनीतिक पार्टियाँ कड़ी तैयारी में लगी हैं। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की महाविकास अघाड़ी सीटों पर मुकाबला कर रही है और कांग्रेस-एनसीपी भी कुछ हिस्सों में मैदान में दृढ़ता से काम कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी जैसे दल भी कुछ वार्डों में चुनौती दे रहे हैं। यह सब दिखाता है कि बीएमसी चुनाव में केवल एक या दो बड़े दलों की लड़ाई नहीं है, बल्कि बहु-पक्षीय राजनीतिक संघर्ष है जिस पर हर समुदाय की निगाह है।

अब सवाल यह उठता है कि 15 जनवरी को जब वोटों की गिनती होगी, तो क्या मुंबई के मतदाता पहचान-आधारित राजनीति को मुख्य मानेंगे या स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता देंगे? यह चुनाव केवल मेयर का चुनाव नहीं रहेगा, बल्कि यह एक बड़ा लोकतांत्रिक परीक्षण होगा कि मुंबई जैसे महानगर में वोटर किस तरह की नीति, नेतृत्व और प्रतिनिधित्व को चुनते हैं। मुंबई की राजनीति ने इस चुनाव को सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि सामाजिक पहचान, सांस्कृतिक अधिकार और लोकतांत्रिक विविधता की लड़ाई भी बना दिया है। खिलाड़ी चाहे किसी भी दल के हों, अंत में यह मतदाता का फैसला होगा कि वे कौन-सी पहचान को महत्त्व देते हैं और कौन सा नेतृत्व उन्हें बेहतर दिशा में ले जा सकता है।

पटना साहिब कला सम्मान 2026 से सम्मानित हुए गोपाल कुशवाहा

पटना। नई दिशा परिवार के 30वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित पटना साहिब कला महोत्सवह्न2026 में समाजसेवी एवं ओल्ड चम्पारण मीट हाउस के निदेशक गोपाल कुशवाहा को पटना साहिब कला सम्मानह्न2026 से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम कदमकुआं स्थित बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन परिसर में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, मुख्य अतिथि बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष नंद किशोर यादव, विशिष्ट अतिथि विधायक श्याम रजक, पटना की महापौर सीता साहू, उप महापौर रेशमी चंद्रवंशी, पूर्व कुलपति के. सी. सिन्हा, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ, चिकित्सक दिवाकर तेजस्वी एवं समाजसेवी राजेश बल्लभ ने संयुक्त रूप से गोपाल कुशवाहा को यह सम्मान प्रदान किया। सम्मान स्वरूप उन्हें अंगवस्त्र, सम्मान पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए गोपाल कुशवाहा ने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहने की ऊर्जा मुझे ऐसे आयोजनों से मिलती है। मैं नई दिशा परिवार का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस योग्य समझा। कार्यक्रम में कला, साहित्य और समाज सेवा से जुड़े कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

जेएसएम प्रीमियर लीग पर्व तिसरी क्रिकेट प्रतियोगिता : अंश मराठा टीम बनी विजेता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जय संतोषी माता प्रीमियर लीग (जेएसएम प्रीमियर लीग) पर्व तिसरी क्रिकेट प्रतियोगिता में अंश मराठा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का खिताब हासिल किया। प्रीमियर लीग प्रतियोगिता घटकोपर में सम्पन्न हुई।फाइनल मुकाबले में अंश मराठा और के आर ए इलेवन टीम के बीच रोमांचक संघर्ष देखने को मिला।

जबकि अंतिम मुकाबले में अंश मराठा टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 23 रन बनाए और के आर ए इलेवन टीम को 24 रनों का लक्ष्य दिया। चार ओवरों के इस मैच में अंश मराठा टीम ने दो रनों से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में श्रीशा वॉरियर्स टीम को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ, जबकि क्रतीक 11 टीम को चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा।

3 जनवरी 2026 से 4 जनवरी 2026 तक आयोजित दो दिवसीय इस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल छह टीमों ने भाग लिया। रविवार रात 9 बजे फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें अंश मराठा और के आर ए इलेवन आमने-सामने थे।

विजेता अंश मराठा टीम के कप्तान प्रमोद बालगुडे को जय संतोषी माता सोसायटी के अध्यक्ष सुभाष पवार, मंडल अध्यक्ष राजेश पवार एवं सदस्य बालकृष्ण शेलार के हाथों ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं उपविजेता के आर ए इलेवन टीम के कप्तान राजेश शिंदे को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट गेंदबाज का पुरस्कार विकास पवार, उत्कृष्ट बल्लेबाज का पुरस्कार रोहित भगत, उत्कृष्ट क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार विवेक निगडे को प्रदान किया गया, जबकि मैन ऑफ द सीरीज का सम्मान राजेश शिंदे को मिला।

मनपा आयुक्त का कड़ा आदेश चुनाव ड्यूटी कर्मचारियों के प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने पर होगी कानूनी कार्रवाई

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव 2025-26 के तहत चुनाव ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों का द्वितीय प्रशिक्षण दिनांक 06 जनवरी 2026 एवं 07 जनवरी 2026 को आयोजित किया गया है। यह प्रशिक्षण चुनाव प्रक्रिया की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। भिवंडी मनपा के आयुक्त तथा निर्वाचन अधिकारी अनमोल सागर (भा.प्र.से.) ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी नियुक्त कर्मचारी प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। उन्होंने चेतावनी दी है कि जो कर्मचारी बिना वैध कारण के प्रशिक्षण मेंअनुपस्थित रहेंगे उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई (गुन्हा दर्ज) की जाएगी। साथ ही संबंधित कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका (सर्विस बुक) में इस बारे में नकारात्मक प्रविष्टि करने के आदेश भी संबंधित विभागों को दिए गए हैं। मनपा प्रशासन ने सभी कर्मचारियों से चुनावी दायित्व को गंभीरता से लेते हुए प्रशिक्षण में समय पर उपस्थित रहने की अपील की है।

मुंबई में ब्रांड ठाकरे की सबसे बड़ी अग्निपरीक्षा, बीएमसी चुनाव में सिक्का चलेगा या नहीं?

मुंबई। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे आज लालबाग, परेल और सेवरी क्षेत्रों में स्थित शाखाओं का दौरा करेंगे। ठाकरे बंधुओं ने मुंबई में कई सार्वजनिक सभाएं आयोजित करने के बजाय सीधे शाखा भ्रमण पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है। ऐसी खबरें हैं कि ठाकरे बंधुओं का ध्यान कार्यकताओं के साथ सीधे संवाद, संगठनात्मक निर्माण और स्थानीय स्तर पर अभियान को मजबूत करने पर केंद्रित है।

सभी राजनीतिक दल मुंबई नगर निगम चुनाव जीतने के लिए कमर कस रहे हैं। सभी दलों की ओर से चुनाव प्रचार में तेजी आई हुई है। ठाकरे बंधु मुंबई नगर निगम की सीट दोबारा जीतने के लिए मैदान में उतर चुके हैं। आज ठाकरे बंधु सेवरी विधानसभा क्षेत्र का एक साथ दौरा करेंगे। सेवरी को शिवसेना का पारंपरिक गढ़ माना जाता है। इसी गढ़ में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे आज लालबाग, परेल और सेवरी क्षेत्रों में स्थित शाखाओं का दौरा करेंगे। ठाकरे बंधुओं ने मुंबई में कई सार्वजनिक सभाएं आयोजित करने के बजाय सीधे शाखा भ्रमण पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है। ऐसी खबरें हैं कि ठाकरे बंधुओं का ध्यान कार्यकताओं के साथ सीधे संवाद, संगठनात्मक निर्माण और स्थानीय स्तर पर अभियान को मजबूत करने पर केंद्रित है।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग महाराष्ट्र को उत्तर प्रदेश और बिहार में बदल रहे हैं। राज ने उद्धव ठाकरे के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कोई भी स्थायी सत्ता लेकर नहीं आता। अगर उन्हें लगता है कि उन्हें कभी सरकार से नहीं हटाया जाएगा, तो उन्हें पुनर्विचार करना चाहिए। मैं यह बात वर्षों से कहता आ रहा हूं कि वे महाराष्ट्र को उत्तर प्रदेश और बिहार में बदल रहे हैं। संयुक्त घोषणा पत्र में मुंबईकरों के लिए कई सहूलियतों को शामिल किया गया है। 20 साल बाद शिवसेना भवन पहुंचे राज ठाकरे ने कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है, जैसे वे 20 साल बाद किसी लंबी कैद से बाहर आए हों। राज ठाकरे ने कहा कि शिवसेना भवन से उनका रिश्ता बहुत पुराना है और इससे जुड़ी उनकी यादें कई दशकों की हैं। उन्होंने बताया कि इस इमारत से जुड़े अनुभव इतने ज्यादा हैं कि उन्हें बताने में कई दिन लग सकते हैं। चुनावी घोषणा पुत्र की प्रमुख बातें, BMC की जमीन किसी भी हालत में निजी बिल्डरों को नहीं दी जाएगी। BMC का अपना स्वतंत्र हाउसिंग अथॉरिटी होगी। अगले 5 वर्षों में 1 लाख मुंबईकरों को सस्ते घर दिए जाएंगे। मुंबई में 5 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे।

अहंकारी रावण के लंका को जलाकर विकास का भगवा झंडा फहराएगा

◆शिव सेना का वादा जो मीरा भायंदर का चेहरा बदल देगा मंत्री प्रताप सरनाईक का विपक्ष पर सीधा हमला

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक ने आज मीरा भायंदर नगर निगम चुनावों के लिए शिवसेना का वचन नामा जारी करते हुए कहा, विकास की परिकल्पना प्रताप सरनाईक का मिशन है। उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा, पिछले दस वर्षों से नगर निगम पर काबिज भस्मासुर का अंत करने का समय आ गया है, और अहंकारी और भ्रष्ट रावण की लंका हनुमान द्वारा प्रज्वलित किए बिना नहीं रहेगी। ये वादे नहीं, बल्कि कार्रवाई की रिपोर्ट है

शिव सेना ने मीरा भायंदर सीट से 81 शिलादारों को मैदान में उतारा है। जहां अन्य पार्टियां सिर्फ वादे कर रही हैं, वहीं सरनाईक ने जो किया गया है और जो आगे किया जाएगा पर जोर दिया है। जारी किए गए वचनपत्र में 90% पूर्ण विकास कार्यों और शेष लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा शामिल है। उन्होंने यह भी कहा, हम सिर्फ हवाई महल नहीं बनाते, बल्कि उन्हें हकीकत में बदलते हैं। विकास का महाजेप': शहर का रूपांतरण। पिछले साढ़े तीन वर्षों में नगर निगम में सत्ता में न होने के बावजूद सरनाईक द्वारा शहर में लाई गई परियोजनाओं की सूची चौंका देने वाली है: स्वास्थ्य एवं शिक्षा: नवघर में स्थित स्वर्गीय इंदिराबाई सरनाईक कैशलेस अस्पताल, नवीन अस्पताल और सीबीएसई स्कूल। जल एवं अवसंरचना: सूर्या परियोजना, क्लस्टर विकास और दहिसर-मीरा भायंदर रिंग रोड से 218 एमएलडी पानी की आपूर्ति। कला और संस्कृति: लता मंगेशकर थिएटर, संगीत गुरुकुल और हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी। आधुनिक परिवहन: मेट्रो परियोजना, पॉड टैक्सी और 51 फुट ऊंची विट्ठल प्रतिमा का सौंदर्यीकरण।

नई परियोजनाएं: महिलाओं के लिए उमेद

मॉल', नया नगर निगम मुख्यालय और कंदलवन पार्क विपक्ष की राख को दफना दिया जाएगा। मीरा भायंदर में सत्ता परिवर्तन लाने के अपने दृढ़ संकल्प को व्यक्त करते हुए सरनाइक ने स्पष्ट किया कि यह चुनाव व्यक्तिगत मामलों का नहीं, बल्कि शहर की पहचान का सवाल है। शिवसेना 15 जनवरी, 2026 को होने वाले चुनावों के लिए कमर कस रही है और उन्होंने दृढ़ विश्वास जताया कि इस बार नगर निगम में शिवसेना का ही मेयर चुना जाएगा। सरनाइक, जिन्होंने शहर को पूर्णतः 'वाई-फाई शहर' बनाने और पशु श्मशान घाट स्थापित करने जैसे साहसिक निर्णय लिए हैं, अब चुनावी मैदान में एक क्रांतिकारी बदलाव के संकेत दे रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, शिवसेना पार्टी मीरा भायंदर नगर निगम के आम चुनाव 2025-26 में स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है और 81 शिवसेना सदस्य नगर निगम में जीत का भगवा झंडा फहराने के लिए तैयार हैं। नगर निगम चुनाव 15 जनवरी, 2026 को हैं और इसी के मद्देनजर मैंने आज मीरा-भयंदर शहर के विकास के वादे की घोषणा की है। महत्वपूर्ण बात यह है कि विकास की दृष्टि प्रताप सरनाइक का मिशन है, अब मीरा भायंदर का कायापलट होगा, इसी उद्देश्य से इस वर्ष मीरा-भयंदर के विकास की गति दोगुनी की जाएगी। मुझे खुशी है कि अन्य पार्टी नेताओं की तरह अपने कार्यों के वादे की घोषणा करने के बजाय, मैं उन 90% कार्यों का वादा कर रहा हूं जो किए जा चुके हैं और कुछ विकास कार्य जो पूरे होने के करीब हैं। मैं पिछले 16 वर्षों से 80% सामाजिक कार्य और 20% राजनीति के सिद्धांत पर शहर की सेवा कर रहा हूं। प्रताप सरनाइक जो कहते हैं, वही करते हैं। इतिहास रचा जाएगा। 15 जनवरी को जनता स्वयं भ्रष्ट सत्ता को जलाकर नगर निगम पर शिवसेना का भगवा झंडा फहराएगी। मुझे इस बात का पूरा विश्वास है। मेरे द्वारा किए गए विकास कार्यों पर भरोसा करते हुए जनता मुझे नगर निगम पर शिवसेना का भगवा झंडा फहराने का अवसर देगी और यदि मुझे यह अवसर मिलता है, तो निश्चित रूप से मीरा भायंदर नगर आने वाले समय में और अधिक विकसित, सुंदर, स्वच्छ और सपनों का शहर बनकर रहेगा यह मेरा वचन है।

पुणे को भारी वित्तीय सहायता मिली लेकिन सार्थक विकास नहीं हुआ: अजित पवार

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दावा किया है कि पुणे को केंद्र और राज्य से भारी वित्तीय सहायता प्राप्त हुई, लेकिन स्थानीय नेता इसका इस्तेमाल शहर के सार्थक विकास के लिए करने में विफल रहे।

पवार ने पुणे नगर निगम (पीएमसी) के चुनावों से पहले रविवार को बनेर क्षेत्र में एक रैली में कहा कि इस विफलता ने शहर के नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना राज्य में महायुति गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन पीएमसी समेत 29 नगर निगमों में अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। पानी की आपूर्ति की कमी, कूड़े का ढेर, सड़कों पर गड्ढे, भारी यातायात और शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि इन समस्याओं को हल करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है।

उन्होंने कहा, हम कोयता (दरांती) गैंग को खत्म करना चाहते हैं और शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं। केंद्र और राज्य में हम महायुति का हिस्सा हैं, लेकिन पुणे और पिंपरी चिंचवड की स्थिति अलग है। पीएमसी के प्रशासक इसके लिए जिम्मेदार हैं। कोयता गैंग महाराष्ट्र में विशेष रूप से पुणे और लातूर जैसे शहरों में सक्रिय एक हिंसक आपराधिक गिरोह है। इसके सदस्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते समय मुख्य रूप से दरांती का इस्तेमाल करते हैं। पवार ने कहा कि वह पुणे के संरक्षक मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।

अपना पूर्वांचल महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत में पूर्वांचलवासियों की अग्रणी संस्था अपना पूर्वांचल महासंघ की वर्ष 2026 की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 4 जनवरी 2026 को मुंबई के प्रतिष्ठित द प्रेसीडेंसी रेडियो क्लब, आर्थर बंदर रोड, कोलाबा में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार दुबे ने की, जबकि मंच संचालन महासचिव डॉ. रवि रमेशचंद्र ने किया।

बैठक में महासंघ की आगामी वर्ष की राष्ट्रीय कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। देश के विभिन्न हिस्सों से आए राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने अपना पूर्वांचल महासंघ की डायरी, पेन एवं पूर्वांचली गमछे का विधिवत अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार दुबे ने श्री नार्वेकर का पूर्वांचली गमछा ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक में उपस्थित विशिष्ट अतिथि आईआरएस पंकज द्विवेदी का भी सम्मान किया गया।

बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई। पहले सत्र की समाप्ति के पश्चात महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष द्वारा महासंघ की डायरी, पेन एवं गमछे का अनावरण किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर महासचिव डॉ. रवि रमेशचंद्र द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान कर रवि भगवतप्रसाद गुप्ता को मुंबई राज्य अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। बैठक में डॉ. शैलेश चैबे (पुणे), लक्ष्मीनारायण पांडे, डॉ. अधिवक्ता चन्द्रिका प्रसाद मिश्रा (नासिक), महासचिव फूलचंद दीक्षित, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंजलि रामजी शुक्ला, कोषाध्यक्ष मनोज राय, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अंबरीश दुबे, चंद्रकेश सिंह, सचिव अरविंद मिश्रा, विनोद उपाध्याय (वाराणसी), एडवोकेट करण पांडे, प्रिंसिपल मिथिलेश मिश्रा, अमर उजाला के ब्यूरोचीफ सुरेन्द्र मिश्र, रिपोर्टर संतोष मिश्रा, प्रभात दुबे, उमेश तिवारी, आशीष सिंह (जौनपुर), बिल्डर एवं डेवलपर राधेश्याम यादव सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

महासंघ के पदाधिकारियों ने बैठक को सफल बताते हुए कहा कि यह आयोजन पूर्वांचल समाज को एकजुट कर सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भिवंडी में नन्हें बच्चों का वार्षिक स्नेह सम्मेलन उत्साहपूर्वक संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। जनरल एज्युकेशन इंस्टिट्यूट की भिवंडी स्थित प. रा. विद्यालय परिसर के पूर्व-प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का वार्षिक स्नेह सम्मेलन गणपति मंदिर सभागृह में बड़े ही उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम शाला व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष श्याम शिंगासणे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व छात्र डा. आदित्य कोंडलेकर एवं पत्रकार संजय भोईर उपस्थित रहे। इस अवसर पर पत्रकार संजय भोईर ने कहा कि राज्य में मराठी माध्यम की शालाओं की स्थिति चिंताजनक है, ऐसे में भिवंडी जैसे बहुभाषिक और विविध आबादी वाले शहर में मराठी माध्यम की शाला का सुचारू रूप से संचालन होना और उसमें 250 विद्यार्थियों का अध्ययनरत

होना गौरव की बात है। उन्होंने अपने बच्चों को मराठी शाला में पढ़ाने वाले अभिभावकों की भी सराहना की। वहीं पूर्व छात्र डा. आदित्य कोंडलेकर ने शाला के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विद्यालय को नकद दान प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान नन्हें विद्यार्थियों ने संस्था स्तर की नाट्य प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नाटिका प्रस्तुत की। इसके अलावा कई विद्यार्थियों ने नृत्य व गायन प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्याध्यापिका अनीता सुतार ने अतिथियों का स्वागत एवं प्रस्तावना प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम का सूत्र संचालन शिक्षिका अनुश्री गर्दे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय के शिक्षकवृंद एवं शाला समिति के सदस्यों ने विशेष परिश्रम किया।

बोईसर में मनाई गई क्रांतीज्योती ज्ञानज्योती सावित्रीबाई फुले की जयंती

पालघर (उत्तर शक्ति)। क्रांतीज्योती ज्ञानज्योती सावित्रीबाई फुले की जयंती शनिवार 3 जनवरी 2026 को बोईसर के आजादनगर स्थित शिव मंदिर परिसर में बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन शाम 7 बजे किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने उनके सामाजिक, शैक्षणिक और महिला सशक्तिकरण से जुड़े योगदान को नमन किया। मुख्य वक्ता दत्तात्रय शिंदे ने सावित्रीबाई फुले के जीवन, संघर्ष और समाज सुधार के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज को नई दिशा दी।

कार्यक्रम में केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन एवं काशी विश्वनाथ मंदिर के संस्थापक व अध्यक्ष तुलसीराम केवट व प्रमुख अतिथि रिटायर्ड मेजर साहब (वर्तमान में मंत्रालय में कार्यरत) ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले को नारी शिक्षा और सामाजिक क्रांति की अग्रदूत बताया।

इस अवसर पर मोहन रामचंद्र सिनलकर, आनंद परंडवाल, अर्जुन बाविस्कर, हिंदुराव बोडके, सुरेखा मोहन सिनलकर, पुंडलिक महाजन, अशोक आशाराम माली, लता ताई परंडवाल, ओमकार पांडे (पंडित), कुमारी रानी शिवाजी कदम, संजय, कुमार मयुरेश परंडवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन ह.भ.प. मोहन सिनलकर ने किया।

उन्होंने सावित्रीबाई फुले के बाल्यकाल से लेकर उनके अंतिम समय तक किये गये कार्यों का प्रेरणादायी विवरण प्रस्तुत किया। अंत में माली समाज मंडल के अध्यक्ष अर्जुन बाविस्कर ने सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद आगामी सावता माली पुण्यतिथि कार्यक्रम के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम की व्यवस्थाएं मंडल के खजिनदार अशोक माली द्वारा संभाली गई।

37वें सड़क सुरक्षा अभियान के तहत पालघर रेलवे स्टेशन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। 37वें सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत पालघर रेलवे स्टेशन परिसर में रिक्शा चालक मालक एवं मैजिक वाहन चालकझमालकों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने को लेकर चालकों को विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि नशे की हालत में वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, तथा प्रत्येक यात्री के साथ शालीनता और सौजन्यपूर्ण व्यवहार रखें। साथ ही यह भी

समझाया गया कि यातायात में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाये। इसके अलावा ज्येष्ठ नागरिकों को सहयोग करने, उन्हें सुरक्षित यात्रा में सहायता देने और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के संबंध में भी चालकों को जागरूक किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक चालक और नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर पीएसआई बासू पवार, एएसआई निलेश पाटील, पुलिस कांस्टेबल बालू केदार तथा पुलिस कांस्टेबल समीर वालुंज उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने चालकों से अपील की कि वे नियमों का पालन कर स्वयं की, यात्रियों की और समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

पालघर व डहाणू को मिले नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष, विकास को लेकर जताया संकल्प

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र के लोकाभिमुख नेता एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना को नगरपरिषद चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद पालघर नगरपरिषद के नगराध्यक्ष पद पर उत्तम मोरेश्वर घरत तथा डहाणू नगरपरिषद के नगराध्यक्ष पद पर राजेंद्र (राजू) लखू माच्छी सोमवार 5 जनवरी 2026 को विधिवत रूप से विराजमान हुए। दोनों नवनिर्वाचित नगराध्यक्षों ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण करते हुए जनता के विश्वास को विकास कार्यों के माध्यम से सार्थक करने का संकल्प व्यक्त किया।

पदभार ग्रहण के बाद नगराध्यक्ष उत्तम घरत एवं राजू माच्छी ने कहा कि आगामी पांच वर्षों में पालघर और डहाणू की जनता को अपेक्षित विकास कार्य सभी को साथ लेकर पूरे किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जनता ने जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने के लिए पारदर्शी और लोकहितकारी प्रशासन प्राथमिकता रहेगी। इस अवसर पर शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे ने कहा कि उन्हें इस बात का विशेष संतोष है कि जिला अध्यक्ष के रूप में

उनके कार्यकाल में दोनों नगरपरिषदों में पार्टी को उल्लेखनीय सफलता मिली। साथ ही उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया में मार्गदर्शन देने वाले जिला संपर्क प्रमुख रविंद्र फाटक का आभार व्यक्त किया। नगराध्यक्ष पदग्रहण समारोह में प्रमुख रूप से आमदार राजेंद्र गावित, शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे के अलावा जिला व शहर स्तरीय पदाधिकारी, महिला आघाड़ी, युवासेना के पदाधिकारी तथा नवनियुक्त नगरसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समारोह में कार्यकताओं और नागरिकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नवनिर्वाचित नगराध्यक्षों के नेतृत्व में पालघर और डहाणू में विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अनियंत्रित ट्रेलर ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, दो की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ के गंभीरपुर थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा हो गया। ठेकमा से आजमगढ़ की ओर जा रहे बाइक सवार दो युवकों को तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई। हादसे के बाद कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह ठप हो गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवागमन बहाल कराया। पुलिस ने ट्रेलर चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, चौकी इंचार्ज गंभीरपुर संदीप के मुताबिक गंभीरपुर थाना क्षेत्र के गंभीरपुर बाजार में रविवार रात बाइक सवार दो युवकों को तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी, इसमें दोनों युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर जाम लग गया पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जाम खुलवाया। साथ ही ट्रेलर चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। चौकी इंचार्ज ने बताया कि मृतकों की पहचान संतोष यादव (40) व संदीप यादव (32) के रूप में हुई है। हिरासत में लिए गए ट्रेलर चालक से पूछताछ की जा रही है। वहीं, हादसे के बाद युवकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

युवा विनिमय कार्यक्रम के लिए बीएचयू का एनएसएस प्रतिनिधिमंडल मणिपुर रवाना

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के एन काशी हिंदू विश्वविद्यालय से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का एक चयनित प्रतिनिधिमंडल दल कार्यक्रम में भाग लेने हेतु मणिपुर प्रस्थान कर गया। यह प्रतिनिधिमंडल कार्यक्रम के दौरान काशी हिंदू विश्वविद्यालय का

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल अष्टलक्ष्मी दर्शन युवा विनिमय कार्यक्रम में सहभागिता के लिए रवाना हुआ। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की अलग-अलग इकाइयों से चयनित कुल 21 स्वयंसेवकों का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककलाओं, सामाजिक परंपराओं, जीवन मूल्यों तथा गंगा-जमुनी तहजीब की विशेषताओं से देश के अन्य राज्यों से आए युवाओं को परिचित कराएगा। इसके माध्यम से प्रतिभागी विद्यार्थी उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करेंगे।

वहीं, इस युवा विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत एनएसएस स्वयंसेवकों को पूर्वोत्तर भारत, विशेष रूप से मणिपुर राज्य की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता, परंपराओं, जीवनशैली, रीति-रिवाजों एवं विकास संबंधी दृष्टिकोण को निकट से समझने का अवसर प्राप्त होगा। यह अनुभव विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के साथ-साथ उन्हें विविधताओं में एकता की भावना से जोड़ने का कार्य करे। दल की रवानगी विश्वविद्यालय परिसर से प्रो.रंजन कुमार सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, तथा डॉ.स्वपना मीना, नोडल अधिकारी एवं कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के युवा विनिमय कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से अनुशासन, सकारात्मक सोच और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के साथ विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

नौकरी के नाम पर ठगी और मारपीट का आरोप, चौकी प्रभारी पर भी गंभीर सवाल

फर्जी ज्वाइनिंग लेटर और सरकारी लोगो लगी गाड़ियों से वर्षों से चल रहा था कथित गिरोह

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना मुबारकपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम

लोहरा निवासी सउद पुत्र इफ्तेखार उर्फ शब्बू ने नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी और धन उगाही का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार गांव के ही कुछ लोगों द्वारा फर्जी ज्वाइनिंग लेटर व फर्जी आईडी कार्ड देकर तथा गाड़ियों पर उत्तर प्रदेश

शिकायत करने पर हुई मारपीट, उल्टा दर्ज हुआ मुकदमा

सरकार का लोगो लगाकर लोगों से अवैध वसूली की जा रही थी। इस पूरे मामले की सूचना पूर्व में चौकी प्रभारी लोहरा को फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से दी गई थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। पीड़ित का आरोप है कि 24 दिसंबर 2025 को खेत से लौटते समय आरोपियों ने घात लगाकर उसके साथ मारपीट की। इसकी लिखित शिकायत 27 दिसंबर को चौकी प्रभारी लोहरा को दी गई, लेकिन कार्यवाही करने के बजाय कथित तौर पर ह्वसिस्टम से आनेह्व की बात कही गई। पीड़ित द्वारा पैसे देने से इनकार करने पर 29 दिसंबर 2025 को उसके तथा उसके परिवार के खिलाफ ही विपक्षियों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पीड़ित ने पुलिस उप महानिरीक्षक, आजमगढ़ परिक्षेत्र से निष्पक्ष जांच और कठोर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

पत्नी से झगड़ा कर युवक ने फांसी लगाकर दी जान

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। सैदपुर थाना क्षेत्र के महमूदपुर हथिनी गांव में पत्नी से विवाद के बाद एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना रविवार रात की है। सोमवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। जानकारी के अनुसार, महमूदपुर हथिनी गांव निवासी 28 वर्षीय अमित कुमार बिंद का रविवार शाम को अपनी पत्नी रीमा से विवाद हो गया था। विवाद के बाद जब पत्नी शौच के लिए बाहर गई, तो अमित ने घर में पंखे के सहारे साड़ी बांधकर फांसी लगा ली। शौच से वापस लौटी पत्नी ने पति को फांसी पर झूलते देखा तो शोर मचाया। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर अमित को फंदे से उतारा और तत्काल पास के एक निजी डॉक्टर के पास ले गए। वहां से उसे सैदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया। घटना के समय अमित घर में अकेला था, जबकि उसके माता-पिता श्यामसुंदर बिंद और बबुनी देवी गांव के खलिहान स्थित दूसरे मकान पर थे। अमित गुजरात में मजदूरी करता था और चार दिन पहले ही घर लौटा था। उसके तीन बच्चे हैं, जिनमें एक बेटी और दो बेटे शामिल हैं। इस घटना के बाद से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान के लिए किया गया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं सुरक्षा

संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान के दौरान महिला पुलिस कर्मियों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें महिला हेल्पलाइन-1090, आपातकालीन सेवा-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, साइबर अपराध हेल्पलाइन-1930 सहित अन्य सुरक्षा संसाधनों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, छेड़छाड़, साइबर उत्पीड़न एवं घरेलू हिंसा जैसी घटनाओं की स्थिति में त्वरित शिकायत दर्ज कराने हेतु प्रेरित किया गया। जनपद पुलिस द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जा रही है तथा प्रत्येक शिकायत पर त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस दबिश के दौरान भागते समय बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

वांछित आरोपी को पकड़ने गई थी पुलिस, दूर से देखकर भागने का किया प्रयास

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना रौनापार क्षेत्र में सोमवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब वांछित आरोपी कलामुद्दीन (60) पुत्र फरीद निवासी रौनापार को हिरासत में लेने पहुंची पुलिस टीम को देखकर वह भागने लगा। भागने के दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और सांस फूलने लगी, जिसके बाद वह मौके पर ही बैठ गया। परिजन तत्काल उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने

उसे मृत घोषित कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि थाना रौनापार की पुलिस सोमवार की सुबह एक व्यक्ति को पकड़ने गयी। वह व्यक्ति पुलिस को दूर से देखकर भागने लगा। भागने के दौरान उसकी सांस फूलने लगी और वह मौके पर ही बैठ गया और उसकी तबीयत खराब हो गयी। परिजन उसे अस्पताल ले गये, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया है। पोस्टमार्टम डाक्टरों के पैनल द्वारा और वीडियोग्राफी के माध्यम से किया जा रहा है। अब तक की जो जानकारी सामने आई है कि वह पूर्व से हृदय की समस्याओं से ग्रसित था। जिसके सम्बन्ध सभी तथ्यों की जांच पड़ताल की जा रही है जो भी तथ्य प्रकाश में आयेंगे उनके आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

यूपी पुलिस में भर्ती के लिए सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को आयु में मिलेगी तीन साल छूट

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती के लिए बड़ा ऐलान किया है। 32 हजार 679 भर्ती के लिए राज्य सरकार ने आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट की घोषणा कर दी है।

सीएम योगी के निदेर्शों पर दिए गए इस फैसले से 32,679 पदों पर पुलिस भर्ती में अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है. बताया गया कि यूपी पुलिस व जेल विभाग की सीधी भर्ती में आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट मिलेगी. इसमें आरक्षी, पीएसी, विशेष सुरक्षा बल, महिला बटालियन, जेल वार्डर शामिल है। कुल 32,679 पदों पर भर्ती के लिए सभी वर्गों को आयुसीमा में छूट दी गई है. इस संदर्भ में यूपी सरकार ने शासनादेश जारी कर दिया गया है. मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि झ फैसला अभ्यर्थियों के हित में लिया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि उत्तर प्रदेश द्वारा अभ्यर्थियों के हितों के दृष्टिगत सम्यक विचारोपरान्त उप्र पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के अन्तर्गत अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाने विषयक समसंख्यक विज्ञप्ति दिनांकित 31.12.2025 के अनुक्रम में शासनादेश संख्या- 1/1194447/6-1001(008)24/23, दिनांक 05.01.2026 के द्वारा आरक्षी ना०पु० (पुरूष/महिला), आरक्षी पीएसी / सशस्त्र पुलिस (पुरूष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरूष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरूष), जेल वार्डर (पुरुष) एवं जेल वार्डर (महिला) के कुल 32679 रिक्त पदों को भरने के लिए कार्मिक अनुभाग-2, उप्रशासन की उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992, सम्बन्धी अधिसूचना संख्याः 11/3/1991-का0-2-92, दिनांक 23.07.1992, के नियम-3 के आलोक में उक्त सीधी भर्ती के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में सभी वर्गों के लिए अपवाद स्वरूप एक बार के लिए 03 वर्ष का शिथिलीकरण प्रदान किये जाने के निर्णय लिया गया है।

जौनपुर डेंटल क्लिनिक का हुआ भव्य उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के शाहगंज पड़ाव स्थित निकट तन्दूरी दरबार के बगल में जौनपुर डेंटल क्लिनिक का भव्य उद्घाटन हुआ। जनपद के अनुभवी डा.सुफियान अहमद ,डेन्टल सर्जन बी.डी.एस., एम.आई.डी.ए. ने सबसे पहले होली बुक कुरान पाक की तिलावत के बाद समाजसेवी इकबाल अहमद ने फीता काटकर क्लिनिक में प्रवेश किया। साथ में ही डा.साहब की वालिदा भी मौजूद रही क्योंकि हर बेटे को अपने वालिद, वालिदऐन की दुआ की बहुत शक्त जरूरत होती है। वहां मौजूद सुविधायें- बिना दर्द के दाँत निकालना, दाँत के रंग का मसाला भरना, टेढ़े-मेढ़े दाँतों को सुन्दर बनाना, जबड़े की हड्डी में नकली दाँत लगाना, बत्तीसी लगाना (complete Denture), काउन (कंप) एवं ब्रिज लगवाने की सुविधा, दाँतों का एक्स-रे (Digital X-Ray), बच्चों के मुख एवं दाँतों से सम्बन्धित सभी रोगों का इलाज, दाँतों की ब्लीचिंग, दाँतों की सफाई व रख-रखाव, पायरिया का इलाज, आधुनिक मशीनों द्वारा बिना दर्द के दाँतों की नसों का इलाज (RCT), कीड़े लगे दाँतों में दाँत के रंग की लेजर फिलिंग, गुटखे द्वारा बन्द मुँह का सफल एवं सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।

डॉ.सुफियान अहमद के निमंत्रण पर रभारत प्रेस क्लब जनपद जौनपुर की टीम उपस्थिति रही। वाराणसी मंडल अध्यक्ष डॉ. इम्तियाज अहमद, जिला अध्यक्ष रियाजुल हक, वरिष्ठ जिला महामंत्री शब्बीर हैदर अम्मार, नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद हारून, कन्हैया मौर्य, डॉ.वकील नजीर इण्टर कालेज के फाउंडर डॉ. वकील अहमद, की मौजूदगी रही वही शिक्षक मास्टर मोहम्मद सलीम आदि लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से 6 कारतूस बरामद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को एक यात्री के बैग से .32 बोर के छह जिंदा कारतूस मिले हैं। सुरक्षा में लगे सीआईएसएफ के जवानों ने यात्री को हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया। कारतूस मिलने की सूचना पर खुफिया एजेंसी भी सतर्क हो गई और थाने पहुंच कर जांच पाड़ताल की। यात्री से थाने में पूछताछ की जा रही है।

रविवार को एयरपोर्ट सुरक्षा में लगे सीआईएसएफ के जवान यात्रियों का बैग चेक कर रहे थे। इस दौरान भुवनेश्वर नाथ तिवारी पुत्र बालनाथ तिवारी, निवासी ग्राम बरौधा, थाना कोतवाली कटरा, जनपद मिजार्पुर के हैंडबैग से 6 कारतूस मिले। सीआईएसएफ ने

मिजार्पुर के पूर्व डीएम से मिलने दिल्ली जा रहा था यात्री

तत्काल यात्री से पूछताछ की और मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सीआईएसएफ द्वारा प्रारंभिक पूछताछ के बाद आरोपी को फूलपुर थाना पुलिस को सौंप दिया गया। यात्री के बैग से जिंदा कारतूस मिलने की सूचना पर सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट हो गई। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा थाने में यात्री से पूछताछ की गई।

यात्री भुवनेश्वर नाथ तिवारी ने बताया, मैं एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या क-1252 से नई दिल्ली जा रहा था। मेरे नाम से .32 बोर की लाइसेंसी पिस्टल आवंटित है और लाइसेंस से संबंधित कार्य के लिए पूर्व जिलाधिकारी मिजार्पुर सुशील पटेल से मिलने दिल्ली जा रहा था। फूलपुर थानाध्यक्ष अतुल कुमार सिंह बताया, मामले की जांच जारी है और लाइसेंस व कारतूस से जुड़े दस्तावेजों की सत्यता की जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगा। सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।

घर में घुसकर जानलेवा हमला, महिलाओं से मारपीट, दबंगों के आतंक से दहला लखनपुर

पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार, परिवार पर मंडरा रहा जान-माल का खतरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के लखनपुर इलाके में दबंगों के आतंक का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता अंजली जायसवाल ने आरोप लगाया है कि गांव के ही दबंगों ने उनके परिवार पर जानलेवा हमला किया, महिलाओं से मारपीट की, अपहरण का प्रयास किया और घर में जमकर तोड़फोड़ मचाई। पीड़िता का कहना है कि हमलावरों ने बार-बार जान से मारने की धमकी दी, जिससे पूरा परिवार दहशत में है।

शाम को पहला हमला, रात में दोबारा धावा: पीड़िता अंजली जायसवाल के अनुसार, 4 जनवरी 2026 की शाम करीब 6:30 बजे हमला करने आए कई लोग जबरन घर में घुस आए। आरोप है कि हमलावरों ने महिलाओं के साथ मारपीट की, घर में रखे सामान को तोड़ा और उउळश कैमरे को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान अपहरण की कोशिश भी की गई। घटना की सूचना तुरंत 112 नंबर पर दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर आरोपी फरार हो गए, लेकिन पीड़िता का आरोप है कि रात करीब 10 बजे दबंग फिर से

लौटे और दोबारा हमला किया।

तीन लोग गंभीर रूप से घायल: दूसरे हमले में परिवार के तीन सदस्यों को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़िता का कहना है कि यदि समय रहते मदद न मिलती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। लगातार हो रहे हमलों से परिवार भय और तनाव में जीने को मजबूर है।

एसपी से सुरक्षा और कार्रवाई की मांग: पीड़िता अंजली जायसवाल ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। उनका कहना है कि दबंग खुलेआम धमकी दे रहे हैं और कभी भी जानलेवा हमला कर सकते हैं।

सवाल बरकरार: अब बड़ा सवाल यह है कि क्या पीड़ित परिवार को समय रहते सुरक्षा मिल पाएगी। क्या दबंगों पर कानून का शिकंजा कसेगा। और क्या अंजली जायसवाल व उनके परिवार को इंसाफ मिल पाएगा। फिलहाल लखनपुर में दहशत का माहौल है और पीड़ित परिवार न्याय की राह देख रहा है।

इडेन पब्लिक स्कूल में मरहूम नजमुस्साकिब की याद में शायरी नशिस्त का भव्य आयोजन संपन्न

चंदन जायसवाल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के इमरानगंज स्थित इडेन पब्लिक स्कूल में रविवार को मरहूम नजमुस्साकिब की स्मृति में शायरी नशिस्त का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर देश-प्रदेश से आए शायरों और बुद्धिजीवियों ने अपने विचार रखे और शायरी से समां बांध दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस के पूर्व विधायक व स्टार प्रचारक नदीम जावेद ने सभा को संबोधित करते हुए शाहगंज को

जुटे देश-प्रदेश के शायर और बुद्धिजीवी

तालीम का गढ़ बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार जनता को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल है। वर्ष 2027 में भाजपा सरकार सत्ता से बाहर होगी और इंडिया अलायंस की सरकार बनेगी।

प्रेस वार्ता में एक सवाल के जवाब में नदीम जावेद ने कहा कि बांग्लादेशी खिलाड़ी के भारत में खेलने के मुद्दे पर विवाद खड़ा करना सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान का नाम जानबूझकर उछाला

गया, जबकि उसी टीम की मालिकाना हिस्सेदारी में जूही चावला भी शामिल हैं।

गाजियाबाद में तलवार बांटने की घटना पर उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए देश में नफरत फैलाने की साजिश की जा रही है, जिसे कांग्रेस सफल नहीं होने देगी। हिमाचल प्रदेश में मस्जिद गिराए जाने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि वहां कांग्रेस की सरकार है और सभी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। मामला न्यायालय से जुड़ा होने के कारण अधिक टिप्पणी से उन्होंने परहेज किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. शबाबुद्दीन (एचओडी, शिबली कॉलेज) ने की, जबकि संचालन मजहर आसिफ ने किया।

इस अवसर पर डॉ. नैय्यर आजम, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता जेड.के. फैजान, कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह, जफर इस्लाम, हाफि ज असजद, साजिद खान, एडवोकेट अब्दुल्ला, आदिल खान, नजीर वकील, हामिद खान, राहिल अब्दुल्ला सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के आयोजक ईडेन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक परवेज आलम भुट्टो ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

CMO Reg. RMEE. 2341801
SHIFA HOSPITAL
अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा0 मोहम्मद अकमल
(फिजिशियन)
पता- मानीकलां, जौनपुर

डॉ0 सुनील कुमार दुबे
MBBS, MS
(Laproscopic Surgeon) on call)

डॉ0 अबू फैसल
MBBS, Ortho PGDS
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक
(बृहस्पतिवार)

डॉ0 एम के वर्मा
P.G D.C (Delhi)
(चर्म रोग विशेषज्ञ)
समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)

डॉ0 मोहम्मद चाँद बागवान
MBBS, DNB, MD (Lucknow)
शूगर, चेस्ट एंव हृदय रोग विशेष
समय- सुबह 8 बजे 11 बजे तक
(मंगलवार)

डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह
(दाँत चिकित्सक)
समय - सुबह 9 से 11 बजे तक
(बुद्धवार, रविवार)

डॉ0 यसीरा अली
MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon)
स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (Inferitility)
समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक
(मंगलवार)

डॉ0 सना अब्दुल्लाह
(स्त्री रोग विशेषज्ञा)
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक
(बुद्धवार, रविवार)

डॉ. मोहम्मद अंज़र
एम.बी.बी.एस.
जरनल फिजिशियन

डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिस्क, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।

पता - मानीकलां, जौनपुर | 9451610571, 7380850571

BAJAJ
ए. एम. बजाज

प्रो अब्दुल माजिद | मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 | 9621032024, 9651316060, 9621139686

अहंकारी रावण के लंका को जलाकर विकास का भगवा झंडा फहराएगा: प्रताप सरनाईक

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक ने आज मीरा भायंदर नगर निगम चुनावों के लिए शिवसेना का वचन नामा जारी करते हुए कहा, विकास की परिकल्पना प्रताप सरनाईक का मिशन है। उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा, पिछले दस वर्षों से नगर निगम पर काबिज भस्मासुर का अंत करने का समय आ गया है, और अहंकारी और भ्रष्ट रावण की लंका हनुमान द्वारा प्रज्वलित किए बिना नहीं रहेगी। ये वादे नहीं, बल्कि कार्यवाही की रिपोर्ट है। शिव सेना ने मीरा भायंदर सीट से 81 शिलादारों को मैदान में उतारा है। जहां अन्य पार्टियां सिर्फ वादे कर रही हैं, वहीं सरनाईक ने जो किया गया है और जो आगे किया जाएगा पर जोर दिया है। जारी किए गए वचनपत्र में 90% पूर्ण विकास कार्यों और शेष लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा शामिल है। उन्होंने यह भी कहा, हम

सिर्फ हवाई महल नहीं बनाते, बल्कि उन्हें हकीकत में बदलते हैं।

मीरा भायंदर में सत्ता परिवर्तन लाने के अपने दृढ़ संकल्प को व्यक्त करते हुए सरनाइक ने स्पष्ट किया कि यह चुनाव व्यक्तिगत मामलों का नहीं, बल्कि शहर की पहचान का सवाल है। शिवसेना 15 जनवरी, 2026 को होने वाले चुनावों के लिए कमर कस रही है और उन्होंने दृढ़ विश्वास जताया कि इस बार नगर निगम में शिवसेना का ही मेयर चुना जाएगा। सरनाइक, जिन्होंने शहर को पूर्णतः 'वाई-फाई शहर' बनाने और पशु श्मशान घाट स्थापित करने जैसे साहसिक निर्णय लिए हैं, अब चुनावी मैदान में एक क्रांतिकारी बदलाव के संकेत दे रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा, शिवसेना पार्टी मीरा भायंदर नगर निगम के आम चुनाव 2025-26 में स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है और 81 शिवसेना सदस्य नगर निगम में जीत का भगवा झंडा फहराने के लिए तैयार हैं। नगर निगम चुनाव 15 जनवरी, 2026 को हैं और इसी के मद्देनजर मैंने आज मीरा-भयंदर शहर के विकास के वादे की घोषणा की है। महत्वपूर्ण बात यह है कि विकास की दृष्टि प्रताप सरनाइक का मिशन है, अब मीरा भायंदर का कायापलट होगा, इसी उद्देश्य से इस वर्ष मीरा-भयंदर के विकास की गति दोगुनी की जाएगी। मुझे खुशी है कि अन्य पार्टी नेताओं की तरह अपने कार्यों के वादे की घोषणा करने के बजाय, मैं उन 90% कार्यों का वादा कर रहा हूं जो किए जा चुके हैं और कुछ विकास कार्य जो पूरे होने के करीब हैं। मैं पिछले 16 वर्षों से 80% सामाजिक कार्य और 20% राजनीति के सिद्धांत पर शहर की सेवा कर रहा हूं। प्रताप सरनाइक जो कहते हैं, वही करते हैं। इतिहास रचा जाएगा। 15 जनवरी को जनता स्वयं भ्रष्ट सत्ता को जलाकर नगर निगम पर शिवसेना का भगवा झंडा फहराएगी। मुझे इस बात का पूरा विश्वास है। मेरे द्वारा किए गए विकास कार्यों पर भरोसा करते हुए जनता मुझे नगर निगम पर शिवसेना का भगवा झंडा फहराने का अवसर देगी और यदि मुझे यह अवसर मिलता है, तो निश्चित रूप से मीरा भायंदर नगर आने वाले समय में और अधिक विकसित, सुंदर, स्वच्छ और सपनों का शहर बनकर रहेगा यह मेरा वचन है।

मंडप डेकोरेटर व्यवसायी पर जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर रामदेव पार्क, में विगत दिनों मंडप डेकोरेटर व्यवसायी दशरथ मांगीलाल शर्मा, 25 वर्ष और उनके यहां काम करने वाले तुषार संतोष दुबे के बीच इवेंट का काम देने की बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के चलते, आरोपी तुषार संतोष दुबे ने दिनांक 31/12/2024 को दोपहर लगभग 02:00 बजे धारदार चाकू से दशरथ शर्मा की हत्या करने के इरादे से उनके पेट, पीठ और कमर पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया। इस संबंध में नवघर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 48/2024, भारतीय न्याय संहिता (इठर), 2023 की धारा 109, 115, और 118(1) के तहत मामला दर्ज किया गया था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी तुषार संतोष दुबे उत्तर प्रदेश भाग गया था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। जांच के दौरान अपराध प्रकटीकरण शाखा, यूनिट 1 को विश्वसनीय सूचना मिली कि आरोपी जौनपुर, उत्तर प्रदेश में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर यूनिट-1 की टीम जौनपुर पहुंचा और आरोपी तुषार संतोष दुबे, उम्र 21 वर्ष, निवासी उल्हासनगर, ठाणे को दिनांक 03/01/2026 को हिरासत में ले लिया। आरोपी को जौनपुर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड' प्राप्त किया गया और आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए नवघर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। पुलिस टीम के यह सफल कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अपर पुलिस आयुक्त दत्तात्रय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे, और सहायक पुलिस आयुक्त (प्रकटीकरण) मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में की गई। इस टीम में अपराध प्रकटीकरण शाखा, यूनिट-1 काशीमीरा के प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार शिंदे, सपोनि सचिन सानप, योगेश काले, उपनिरीक्षक उमेश भागवत, और उनकी टीम के अशोक पाटील, अविनाश गर्जे, संजय शिंदे, संतोष लांडगे, पुष्पेंद्र थापा, मनोज चव्हाण, प्रशांत विसपुते, सचिन हुले, सुधीर खोत, धीरज मेंगाणे, गौरव बारी, सौरभ इंगले, लकी पवार, किरण असवले तथा साइबर अपराध शाखा के संतोष चव्हाण शामिल थे।

भीषण ठंडी में स्वयं सहायता समूह ने बांटे कंबल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सर्दी के मौसम में जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए जी एन आर एफ की ओर से पूरे भारत में गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए है। इस सामाजिक सेवा कार्य का उद्देश्य

ठंड के दिनों में लोगों को सुविधा और सुरक्षा प्रदान करना है। जी एन आर एफ डिस्ट्रिक्ट सुपरवाईजर जावेद अय्यूब ने बताया की ,जौनपुर के बस अड्डे रेलवे स्टेशन ,मंडी,और जौनपुर के आस पास जगह पर बस्तियों में जरूरत मंद लोगों को कंबल वितरण किया गया है और आगे भी करते रहेगे ,जी एन आर एफ लगातार मानव सेवा और सामाजिक भलाई के कार्यों में सक्रिय रहा है। इसी भावना के साथ विभिन्न शहरों और क्षेत्रों में कंबल पहुँचाए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस भीषण ठंडी में इसका लाभ प्राप्त कर सकें। अब तक जी एन आर एफ की ओर से पूरे भारत में लगभग एक लाख कंबल जरूरतमंद लोगों को वितरित किए जा चुके हैं। अंत में उक्त संगठन की ओर से सभी स्वयंसेवकों, जिम्मेदार साथियों, सहयोगियों और उन सभी लोगों का दिल से धन्यवाद किया जाता है जिन्होंने इस सेवा अभियान में पूरी निष्ठा से सहयोग दिया। ईश्वर इस नेक अमल को कबूल फरमाए और आगे भी मानव सेवा करने की प्रेरणा मिलती रहे। जी एन आर एफ टीम कम्बल वितरण में विशेष सहयोग प्रदान किया। डिस्ट्रिक्ट सुपर वाईजर जावेद अय्यूब, मोहसिन आत्तारी, गुफरान आत्तारी, आकिब आत्तारी, इश्तीयाक अहमद, नोमान आत्तारी, फरहान आत्तारी, साहिल, चाँद, वसीम,का।

प्रभाग 14 में नगरसेवक उम्मीदवार अनिल भोसले तथा श्रीमती कविता भोये को मिल रहा है जन समर्थन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में मनपा चुनाव के प्रचार जोड़ों पर है। वही प्रभाग क्रमांक 14 में भाजपा से पूर्व नगरसेवक सभापति रहे नगरसेवक उम्मीदवार अनिल भोसले तथा श्रीमती कविता भोये ने भाजपा से टिकट ना मिलने पर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतर गए हैं। अनिल भोसले का चुनाव चिन्ह (ड) ऑटो रिक्शा, जबकि कविता भोये को (ब) कपाट चिन्ह मिला है, इसी दोनों चुनाव चिन्ह पर वोट देने के लिए, जनता से अपील करते हुए अब दोनों प्रत्याशियों ने आगे चुनावी जागरूकता प्रचार अभियान तेज कर दिया है। अपने प्रतिबधित उम्मीदवारों का दिन के चैन और रात के नींद हराम कर दिया है। अनिल भोसले ने कहा कि प्रभाग 14 की जागरूक जनता अब किसी भी प्रकार के धोखे में आने वाली नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि वर्षों से जनता को गुमराह करने वालों को अब जनता ने भली-भांति पहचान लिया है। विकास के नाम पर भ्रम फैलाने और निजी स्वार्थ साधने वालों से सावधान रहना जरूरी है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए भोसले ने कहा कि यहां का नेता में है की अपना काम बनता भाड़ में जाए जनता, ऐसा नहीं चलेगा। जनता सब समझ गई है, आगे कहां की प्रभाग क्रमांक 14 में यह चुनाव नेता चुनने का नहीं है नगर के सेवक चुनने का है जो सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए जनता के बीच में रहे। मैं 35 साल से जनता के बीच सेवा करते आ रहा हूं। इसी साहस और सच्चाई के साथ इस चुनावी संघर्ष में डट कर मुकाबला करूंगा, कहां की पार्टी की राजनीति से ऊपर उठकर, जनता की सच्ची आवाज बनकर लड़ रहे इस स्वतंत्र उम्मीदवारों को प्रभाग क्रमांक 14 में जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है, क्योंकि यहां ईमानदारी, पारदर्शिता और निस्वार्थ भाव से जनसेवा किया है और आगे भी करते रहेंगे।

तीसरी नेशनल योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में महाराष्ट्र की सुमती मोगवीरा को द्वितीय स्थान

मुंबई। इंडियन योगासना स्पोर्ट्स फेडरेशन की ओर से आयोजित तीसरी नेशनल योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 केरल के त्रिवेंद्रम में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 3 से 4 जनवरी 2026 के दौरान आयोजित की गई, जिसमें देशभर के उत्कृष्ट योगासन खिलाड़ियों ने भाग लिया। बता दें कि इस चैंपियनशिप में महाराष्ट्र राज्य से कुल 80 खिलाड़ियों ने सहभाग कर राज्य का प्रतिनिधित्व किया। अत्यंत कड़ी और उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा के बीच महाराष्ट्र की सुमती राजू मोगवीरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। सुमती मोगवीरा की इस उपलब्धि से महाराष्ट्र के योगासन खेल क्षेत्र के गौरव में वृद्धि हुई है। उनकी इस सफलता पर विभिन्न स्तरों से बधाइयाँ दी जा रही हैं। अपनी प्रतिक्रिया में सुमती मोगवीरा ने कहा कि यह सफलता उनके कठोर परिश्रम, निरंतर अभ्यास और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

बालिका शिक्षा, सामाजिक एकता व समाज के बच्चों को संस्कारवान बनाने की जरूरत: जोराराम कुमावत

झुंझुनूं। देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत रविवार को झुंझुनू दौरे पर रहे। यहां वे कुम्हार कर्मचारी एवं समाज सेवा समिति झुंझुनूं के तत्वाधान में आयोजित जिला स्तरीय द्वितीय प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य मंत्री (अध्यक्ष माटी कला बोर्ड,राजस्थान सरकार) प्रहलाद रॉय टाक ने की। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रवक्ता मदन प्रजापत, भाजपा नेता महेंद्र चन्दवा,अधिवक्ता सुरेन्द्र लाम्बा, दौलत राम पेशियां,किशोर दुलेपुरा,कुरडाराम नानवाल, संयुक्त सचिव वित विभाग रणवीर सिंह रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने समाज बंधुओं से परस्पर टांग खींचाई न करने,समाज के बच्चों को संस्कारवान बनाने,सर्व समाज के सहयोग से शासन व प्रशासन में भागीदारी सुनिश्चित करने तथा बालिका शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। इस मौके पर उन्होंने अपने विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। राज्य मंत्री प्रहलाद रॉय टाक ने प्रतिभावान विद्यार्थियों से उच्च लक्ष्य निर्धारित कर समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया और कहा कि, रील की बजाय रियल लाइफ का हीरो बनने की धारणा जहन पाले और हमेशा आगे बढ़ने की सोचें। महेंद्र चन्दवा एवं समिति के अध्यक्ष हरिराम दादरवाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए संस्था द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी तथा आगामी रणनीति से अवगत कराया और कहा अब समाज का हॉस्टल भी भामाशाओं के सहयोग से शीघ्र ही इस धारा पर देखेंगे इसके लिए 10 भामाशाहों न्यूज अवसर पर 51 लाख रुपये इस निमित देकर माने दिल खोलकर दिलेरी दिखाई। इस मौके पर भाजपा प्रवक्ता मदन प्रजापत,सुरेन्द्र लाम्बा,संयुक्त सचिव वित विभाग रणवीर सिंह,राधेश्याम काम्या,दौलत राम पेशियां,किशोर दुलेपुरा, विनोद कुमावत ताराचंद,रिछपाल सिंह किरोड़ीवाल, सुरेंद्र कुंडलवाल, तहसीलदार सीताराम वर्मा,डॉ.राजेंद्र कुमावत,पूर्व प्राचार्य राजेंद्र सिंह कुमावत, डॉ.साहिब राम वर्मा,डॉ.राजेंद्र कुमावत,पूर्व प्राचार्य राजेंद्र किरोड़ीवाल, पंकज कुमावत, राजेंद्र कुमावत, विजय कुमार तूनवाल,नथमल सिनोदिया, राजेंद्र घोडेला, रविन्द्र घोडेला,जुगल कुमावत सहित समाज के संभ्रांतजन मातृशक्ति, सैकड़ों प्रतिभाएं एवं समाज के नव नियुक्त कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे। संचालन संतोष कुमावत व रामचंद्र अनदा सरिया ने संयुक्त रूप से किया।

डॉ. प्रकाश गिरी का 65वाँ जन्मदिवस सम्मानपूर्वक संपन्न

मुंबई। भांडुप (तुलशेत पाड़ा) के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रकाश गिरी का 65वाँ जन्मदिवस समारोह उनके तुलशेत पाड़ा स्थित क्लिनिक में सादगी और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों एवं चिकित्सकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान केक काटा गया तथा डॉ. प्रकाश गिरी को शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। इस समारोह में प्रमुख रूप से समाजसेवी सुरेश कोपरकर (पूर्व नगरसेवक), डॉ. अनिल चाडक, डॉ. प्रांजली जुवेकर, डॉ. सी. वी. पाटिल, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड एसोसिएशन), डॉ. राम, डॉ. सुधीर सिंह, डॉ. जितेंद्र पवार, डॉ. प्रेम सिंह, डॉ. योगेश नावडकर, डॉ. संजय शुक्ला, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. अशोक नरोड़ा, डॉ. रमेश गुप्ता एवं डॉ. गणेश जायसवाल उपस्थित रहे। उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. प्रकाश गिरी के सामाजिक एवं चिकित्सा क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

नंदवंशी सेल्फ केयर ट्रस्ट विपत्ति में सहायक: सैन हरिकेश शर्मा नंदवंशी

मुंबई। सामाजिक संस्था नंदवंशी सेल्फ केयर ट्रस्ट NSCT दीन-हीन,असहाय एवं विपत्ति में जूझ रहे परिवार का एक मुखिया के रूप में अग्रसर होकर सहायक बनती है। महानगर मुंबई के वरिष्ठ समाजसेवी सैन हरिकेश शर्मा नंदवंशी कहते हैं कि NSCT उत्तर प्रदेश से लेकर देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना पैर पसारती दिख रही है जो किसी भी परिवार के विपत्ति में सहारा बनकर खड़ी हो जाती है। हरिकेश नंदवंशी ने महाराष्ट्र सहित देश के सभी राज्यों में निवास करने वाले सैन, सविता, श्रीवास, ठाकुर, ाभिक सम्पूर्ण (नाई) समाज से मानवीय संवेदना के प्रति अपील करते हुए कहा कि नन्द वंशी सेल्फ केयर ट्रस्ट आठवां सहयोग आत्मीयता का अनुभव कराता है जो अल्प समय की सूचना पर इतनी बड़ी संख्या में आप सभी का सहयोग ट्रस्ट के प्रति अपनत्व का प्रतीक है। आप सबके प्यार का यह ऋण चक्रवृद्धि व्याज के साथ चढ़ता रहे कभी इससे उतृण ना हो सकूं। दिसंबर 2025 आठवें सहयोग के समापन पर 173,371 रुपए का सहयोग अनुकरणीय ट्रस्ट की सशक्त नींव को दर्शाता है। नन्दवंशी सेल्फ केयर ट्रस्ट सिर्फ ट्रस्ट ही नहीं अपितु वर्तमान में यही सबकी पहचान है। इस ट्रस्ट की सदस्यता ग्रहण करें तथा जब भी सामूहिक रूप से न्यूनतम राशि सहयोग देने हेतु आह्वान ट्रस्टी द्वारा किया जाए आप आगे बढ़े और अपने साथ अन्य परिवार का सुरक्षा कवच बन कर इतिहास बनाएं। यह ट्रस्ट परिवार के मुखिया के मरणोपरांत? उत्तराधिकारी बनकर लाखों रूपए का सेवा सहयोग कर रहा है उक्त ट्रस्ट को दिशा देने वाले मंगला प्रसाद शर्मा राष्ट्रीय संरक्षक, प्रदीप कुमार वर्मा संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष,जितेन्द्र कुमार शर्मा संस्थापक, राष्ट्रीय महासचिव, घनश्याम शर्मा राष्ट्रीय प्रचारक,सुरेन्द्र शर्मा राष्ट्रीय विस्तारक, हरकिशन नंदवंशी प्रांतीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश,देवेंद्र शर्मा प्रांतीय प्रवक्ता, चंद्रप्रकाश सविता मीडिया प्रभारी, अमरनन्द श्रीवास्तव कोर टीम,नवीन शर्मा कोर टीम,रवि प्रकाश शर्मा कोर टीम, रोशन सैन राष्ट्रीय तकनीकी आईआी सेल, आदर्श वर्मा आईटी सेल, प्रभाकर शर्मा आईटी सेल हैं जिनके अंतरात्मा की उपज आज मिशाल कायम कर रही है। मुंबई से कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप, संतोष निरंकार शर्मा, प्रदीप कुमार शर्मा,अधिवक्ता अनिल शर्मा,मनोज जगदीश शर्मा,राधा संतोष शर्मा,हरिशंकर शर्मा उर्फ मुन्ना, अनिल कुमार शर्मा,रोशन शर्मा, विनोद शर्मा,संतोष शर्मा,चंद्रभूषण शर्मा, श्यामजी शर्मा एवं प्रेम कुमार शर्मा ने उक्त ट्रस्ट की सराहना किया।

स्व. उमाशंकर केवट का दी गयी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मुंबई,(उत्तरशक्ति)। रविवार को सेठ चिमनलाल नाथूराम हाई स्कूल सांताक्रूज पूर्व मुंबई में सर्व समाज के समाजसेवियों ने स्वर्गीय उमाशंकर केवट का शोक सभा आयोजन किया गया। जिसमें मुंबई के कोने-कोने से सर्व समाज के समाजसेवियों ने पहुंचकर मृतक के आत्मा की शांति के लिए उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन व्रत धारण कर सभी ने अपने-अपने विचारों को रखा। बता दें कि 18 दिसंबर 2025 को समाजसेवी उमाशंकर केवट का उनके पैतृक स्थान ग्रामसभा बबुरा, बदलापुर जौनपुर में एक सड़क दुर्घटना में देहांत हो गया था। पैतृक स्थान में शोक सभा संपन्न करने के बाद समाजसेवियों ने मुंबई जैसे शहर में भी शोकसभा का आयोजन किया। शोक सभा को संबोधित करते हुए बिंद समाज के सामाजिक गुरु डॉ शेषधर बिंद ने कहा कि सभी लोग यह निर्णय ले की मृत्यु भोज बंद करें और जब कभी भी किसी का देहांत होता है तो वहां पहुंचकर कफन के बजाय कुछ सहयोग राशि मृतक परिवार को दें। ताकि अचानक ऐसी स्थिति में कभी-कभी धन का बहुत अभाव रहता है। तभी हम सभी लोग सच्ची श्रद्धांजलि मना पाएंगे। डॉ शेषधर बिंद के इस विचारों पर सभी लोगों ने सहमति जताई और निर्णय लिया कि हम सभी लोग मृत्यु भोज बंद कर सहयोग रूपी सच्ची श्रद्धांजलि देने का वचन लेते हैं।

प्रभाग 22 क में कल्पना नागपुर विश्वकर्मा की दावेदारी मजबूत

वसई। वसई-विरार महानगर पालिका चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियाँ तेज हो गई हैं। प्रभाग क्रमांक 22 क से भारतीय जनता पार्टी की अधिकृत उम्मीदवार श्रीमती कल्पना आशीष नागपुर विश्वकर्मा की पैनल जीत की उम्मीदें मजबूत मानी जा रही हैं। श्रीमती कल्पना नागपुर विश्वकर्मा भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार जिला संगठन में सक्रिय भूमिका निभा चुकी हैं। वे पूर्व में जिला महिला मोर्चा सोशल मीडिया, जिला सोशल मीडिया की जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं और हाल ही में उन्हें जिला महिला युवा मोर्चा महामंत्री पद पर नियुक्त किया गया है। संगठनात्मक अनुभव और जमीनी स्तर पर सक्रियता के कारण उन्हें प्रभाग में मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। स्थानीय मुद्दों, विकास कार्यों और सुशासन के एजेंडे को लेकर भाजपा ने प्रभाग 22 क में पूरी पैनल उतारी है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का कहना है कि लंबे समय से नगर निगम की सत्ता में रही बहुजन विकास आघाड़ी के विकल्प के रूप में भाजपा को देखा जा रहा है। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे प्रभाग 22 क में मुकाबला रोचक होता जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किसे अपना समर्थन देती है और वसई-विरार महानगर पालिका की सत्ता में क्या बदलाव देखने को मिलता है।

नगरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : एडीएम

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र के नागरिकों को शुद्ध, स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उक्त बातें सोमवार दोपहर नगर पालिका परिषद शाहगंज में औचक निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (राजस्व) अजय कुमार अम्बष्ट ने कहीं। एडीएम ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में स्थित सभी पानी की टंकियों के जल के नमूने जांच के लिए भेजने के निर्देश दे दिए गए हैं, ताकि आमजन को शुद्ध पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। इस संबंध में नगर पालिका परिषद शाहगंज के अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरी को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। इसके पूर्व एडीएम अजय कुमार अम्बष्ट ने तहसील परिसर स्थित संभागीय में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर वहां स्थापित अस्थायी रैन बसेरा का निरीक्षण किया। व्यवस्थाएं संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरी की प्रशंसा भी की। एडीएम के औचक निरीक्षण से तहसील व नगर पालिका कार्यालयों में हड़कंप की स्थिति बनी रही और अधिकारी-कर्मचारी सतर्क नजर आए। गौरतलब है कि हाल ही में बेंगलुरु में दूषित पेयजल के सेवन से दर्जनों लोगों की मौत और सैकड़ों के बीमार होने की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इसी पृष्ठभूमि में देशभर में शुद्ध पेयजल की मांग और जागरूकता तेज हुई है। इसी के मद्देनजर शाहगंज में भी प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए जल गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया है।

हिंदू समाज के संगठित होने से ही होगा विविध समस्याओं का स्थाई समाधान : राजेन्द्र प्रथम

जौनपुर। 1925 की विजयादशमी को शुरू हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना की 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ आज विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन बन गया है, इसलिए स्वाभाविक ही संघ को जानने की उत्सुकता समाज में बढ़ी है। संघ को जानना है तो संघ के संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार जी को जानना आवश्यक है। वे जन्मजात देशभक्त थे। स्वाधीनता आंदोलन में वे सक्रिय थे, इसलिए दो बार जेल भी गए थे। सुजानगंज खंड के सरायभोगी मंडल स्थित नरहरपुर गांव में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक मझली शहर राजेंद्र प्रथम ने उपरोक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना ऐसे समय में हुई,जब हमारा देश स्वाधीनता के लिए संघर्ष कर रहा था। डॉक्टर हेडगेवार का स्पष्ट मत था कि राष्ट्र की स्वतंत्रता, उसके पश्चात परम वैभव की प्राप्ति तथा समाज की विविध समस्याओं का स्थायी समाधान केवल हिंदू समाज के संगठित होने से ही होगा। उन्होंने जाति भाषा वेशभूषा प्रांत आदि विविधताओं को ही भेद मानकर असंगठित हुए हिंदू समाज को हिंदुत्व के आधार पर संगठित करने का विचार कर संघ की स्थापना की। अपने यहां हिंदुत्व कोई उपासना पद्धति या रिलिजन नहीं है,यह जीवन दृष्टि है और इस दृष्टि के आधार पर विकसित हुई जीवन पद्धति है। उन्होंने कहा कि संघ यानी शाखा, इसी कार्य पद्धति के कारण जो स्वयंसेवक निर्माण हुए उनके आचरण के कारण संघ की समाज जीवन में सकारात्मक छवि बनी है। संघ यानि देशभक्ति, निस्वार्थ सेवा,अनुशासन,यह परिचय समाज के मन में स्थापित हुआ है। किसी भी श्रेष्ठ कार्य को उपवास, उपेक्षा,विरोध और फिर स्वीकार्यता के चरणों से गुजरना पड़ता है,वैसे ही संघ को भी इन सभी चरणों से गुजरना पड़ा। आज संघ का कार्य कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से अरुणाचल प्रदेश तक भारत के हर कोने तक पहुंच गया है। देशभक्ति से ओत - प्रोत स्वयंसेवक समाज के कष्ट देखते ही दौड़ पड़ते हैं, तभी आज किसी भी प्राकृतिक अथवा अन्य आपदाओं के समय वहां तुरंत पहुंच जाते हैं। राजेंद्र प्रथम ने कहा कि केवल आपदा के समय ही नहीं नियमित रूप से समाज में दिखने वाले अभाव, पीड़ा,उपेक्षा हर करने हेतु स्वयंसेवक अपनी क्षमता अनुसार सर्वत्र प्रयास करते हैं। आज संघ के स्वयंसेवक समाज के सहयोग से स्वास्थ्य, शिक्षा,संस्कार और स्वावलंबन के विषय में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में सेवाकार्य और अपना गतिविधियां चला रहे हैं। वैसे तो स्वयंसेवक नियमित रूप से समाज परिवर्तन और समस्याओं का समाधान करने के लिए सतत सक्रिय रहते हैं, लेकिन शताब्दी वर्ष के पश्चात पांच विषयों पर सज्जन शक्ति के सहयोग से जन जागरण के लिए प्रयत्न करेंगे, जिन्हें पंच परिवर्तन कहा गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष विनोद शुक्ला, विशिष्ट अतिथि सरोजा बहन तथा अशोक कुमार उपस्थित रहे।

पाक को धूल चटाने वाले 1971 की जंग के वीर सैनिक जेपी मिश्र, का 75 वर्ष की आयु में निधन

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगवां गांव निवासी व भारतीय सेना में सेवाओं के दौरान भारत पाकिस्तान युद्ध में दुश्मनों का जमकर मुकाबला करने वाले 75 वर्षीय जेपी मिश्रा नहीं रहे। सीने में दर्द की शिकायत पर उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां रविवार की रात उन्होंने अंतिम श्वास लिया। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही कर दिया गया। मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र राजीव मिश्रा ने दिया। उनके निधन की खबर से गांव में शोक छा गया। भारतीय सेना में सैनिक के पद पर रहते हुए उन्होंने वर्ष 1971 में पाकिस्तान युद्ध में दुश्मनों से सीधा मुकाबला किया था। वह गांव में इस युद्ध के विषय में लोगों से अक्सर चर्चाएं किया करते थे। परिजनों ने बताया कि गत शुक्रवार को उन्हें सीने में दर्द की शिकायत पर एम्स में भर्ती कराया गया। जहां रविवार की रात हृदयगति रुकने से उनका निधन हो गया। वे पत्नी शोभावती,बेटे राजीव, संजीव सहित भरापुरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। परिजन परंपरागत क्रिया कर्म के लिए दिल्ली से गांव आ रहे हैं।

कार खाई में जाकर पेड़ से टकराई, एक की मौत, एक घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह की सुबह हाईवे पर अनियंत्रित होकर एक कार खाई में जाकर एक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह हादसा साढ़ापुर गांव के पास फोरलेन हाइवे पर हुआ है। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं दूसरे घायल व्यक्ति को बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल भेज दिया। इस हादसे के मामले में थाना प्रभारी सैयद हुसैन मुनजर ने बताया कि मृतक की पहचान बाराबंकी जिले के नवाबगंज निवासी 45 साल के नसीरुद्दीन सिद्दकी पुत्र सलाहुद्दीन के रूप में हुई है। वह अपने साथी वसीम अहमद के साथ ऑल्टो कार से जौनपुर जा रहे थे।